

# शुभम संदेश

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

रांची, रविवार 18 अगस्त 2024 • श्रावण शुक्ल पक्ष 14 संवत् 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 10 • वर्ष : 2, अंक : 130

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र



हर बहना को  
हर साल

₹ 12 हजार

रक्षाबंधन

के शुभ अवसर पर

झारखण्ड मुख्यमंत्री

मईयां सम्मान योजना (JMMSY)

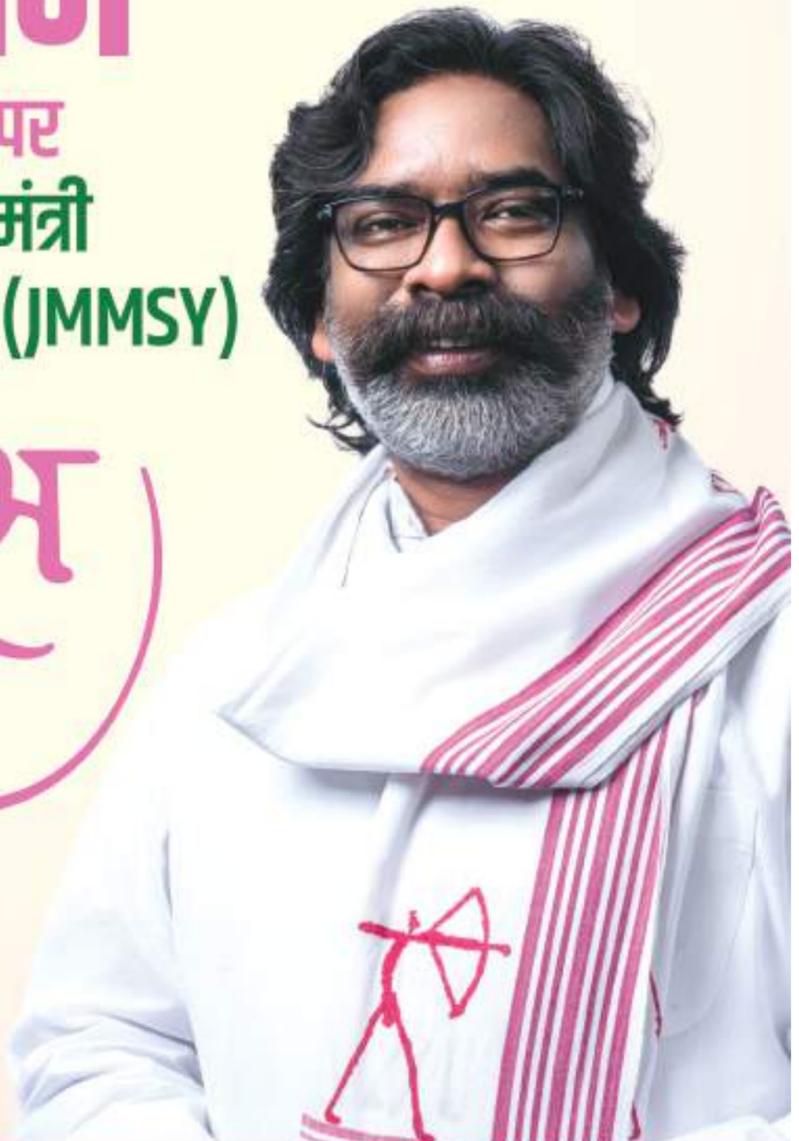
का

शुभारंभ

- रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर आज से योजना का हो रहा शुभारंभ
- केवल 2 सप्ताह में 43 लाख निबंधन एक बड़ी उपलब्धि
- अब तक 37 लाख बहनों के आवेदन की जाँच एवं प्रशासनिक स्वीकृति भी पूरी कर ली गई है
- 31 अगस्त से पहले सभी बहनों के खातों में होगी एक हजार रुपये की सम्मान राशि (पहली किस्त)
- सितंबर से हर महीने की 15 तारीख को हर बहन के खाते में बिना देर पहुँचेगी सम्मान राशि

हेमन्त सोरेन  
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार





शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.5	14.5
जमशेदपुर	28.1	14.4
डालटनगंज	25.9	10.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

# शुभामा संदेश

एक राज्य - एक अखबार

मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूँ: विनेशा फोगाट



**बीच** **खबरें**

**केसी वेणुगोपाल लोक लेखा समिति के अध्यक्ष**

नयी दिल्ली। लोक लेखा समिति के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने प्रमुख संसदीय समितियों के गठन की घोषणा कर दी है। लोक लेखा समिति की अध्यक्षता कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल करेंगे, वहीं, भाजपा के संजय जायसवाल प्राक्कलन समिति, जबकि भाजपा सांसद बैजयंत पांडा सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के अध्यक्ष होंगे। ओबीसी कल्याण समिति के अध्यक्ष भाजपा के गणेश सिंह, जबकि केंद्रीय इस्पात राज्यमंत्री फगन सिंह कुलस्ते एससी और एसटी कल्याण समिति के अध्यक्ष होंगे।

**नेताजी के पार्थिव अवशेष को लाने की अपील की**

कोलकाता। नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्र कुमार बोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जापान के रेकोजी मंदिर में रखे नेताजी के पार्थिव अवशेषों को भारत लाने की अपील की है। प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में बोस ने शनिवार को कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि 18 अगस्त को पूर्व संघा पर मैं आपसे नेताजी के अवशेषों को रेकोजी से भारत लाने की एक बार फिर अपील करता हूँ, उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जीवन किंवदंती बन गया है।

**समुद्री बचाव समन्वय केंद्र का उद्घाटन आज**

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को चेन्नई में एक नवनिर्मित अत्याधुनिक भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) बल के समुद्री बचाव समन्वयन केंद्र (एमआरसीसी) भवन का उद्घाटन करेंगे। रक्षा मंत्री रविवार को ही दो अतिरिक्त प्रमुख सुविधा केंद्र चेन्नई में क्षेत्रीय सामुद्रिक प्रदूषण प्रतिक्रिया केंद्र (आरएमपीआरसी) और पुडुचेरी में तटरक्षक वायु एन्क्लेव (सीजीई) का भी उद्घाटन करेंगे। रक्षा मंत्रालय की तरफ से यह जानकारी दी गयी है।

**वायुसेना, थलसेना का पैरा-ड्रॉप अभियान पूरा**

नयी दिल्ली। भारतीय वायुसेना और थलसेना ने संयुक्त रूप से लालाभग 15 हजार फुट की ऊंचाई पर 'आरोग्य मैत्री हथ्य क्यूब' पहल के तहत अपनी तरफ के पहले सटीक पैरा-ड्रॉप अभियान को अंजाम दिया। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को जानकारी देते हुए कहा कि वायुसेना ने क्यूब को एयरलिफ्ट करने और सटीक रूप से पैरा-ड्रॉप करने के लिए अपने उन्नत सामरिक परिवहन विमान सी-130 जे सुपर हरक्यूलिस का इस्तेमाल किया।

**तहखुर राणा को प्रत्यर्पित कर सकता है अमेरिका**

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने मुंबई में आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के आरोपी एवं पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहखुर राणा को बड़ा झटका दिया है। अदालत ने कहा कि उसे सीधे के तहत भारत को प्रत्यर्पित किया जा सकता है। राणा ने कैलिफोर्निया में अमेरिका के डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आदेश के खिलाफ यूएस कोर्ट ऑफ अपीलस फॉर नाइथ सर्किट में याचिका दायर की थी। - पेज 12 देखें

**कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर की हत्या के विरोध में आईएमए की हड़ताल**



अस्पताल परिसर में सुरक्षा देने की मांग करतीं जूनियर महिला डॉक्टर.



विरोध प्रदर्शन करते हुए रिम्स परिसर से आईएमए भवन जाते रिम्स के जूनियर डॉक्टर. (फोटो : रमीज)

# झारखंड समेत देश भर में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहीं

पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में ट्रेनी महिला डॉक्टर से दुर्घर्म कर उसकी हत्या के विरोध में देशभर के डॉक्टरों में भारी आक्रोश है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा 24 घंटे के देशव्यापी हड़ताल की घोषणा के बाद शनिवार को स्वास्थ्य संस्थानों में चिकित्सीय सेवा चरमरा गई। अस्पतालों में ओपीडी और वैकल्पिक सर्जरी सेवा को बंद रखा गया। हालांकि, इस दौरान आपातकाली सेवाएं जारी रहीं। आईएमए के हड़ताल का असर कई राज्यों में दिखा। बंगाल और झारखंड के अलावा उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, असम, ओडिशा, केरल, गुजरात, गोवा, नागालैंड, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश सहित अन्य कई राज्यों में डॉक्टर हड़ताल पर रहे।

**संवाददाता। रांची**

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की घटना के विरोध में आईएमए द्वारा बुलाई गई 24 घंटे की हड़ताल का असर झारखंड में भी देखने को मिला। शनिवार को झारखंड के सभी मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सीय संस्थानों में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं। आईएमए के प्रदेश सचिव डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि रविवार सुबह छह बजे तक स्वास्थ्य सेवाएं बाधित रहेंगी। उन्होंने कहा कि हलमोल कोलकाता की ट्रेनी महिला डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हैं और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में की गई तोड़फोड़ की निंदा करते हैं। आईएमए की प्रदेश इकाई के प्रमुख डॉ अरुण कुमार सिंह ने कहा कि सभी सरकारी और निजी अस्पतालों के साथ ही डायग्नोस्टिक सेंटर भी हड़ताल में शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि हड़ताल के दौरान सभी वैकल्पिक सेवाएं, ओपीडी सेवाएं और वैकल्पिक सर्जरी बंद रहेंगी। हालांकि, आपातकालीन सेवाओं को हड़ताल से मुक्त रखा गया है। आईएमए झारखंड, राज्य स्वास्थ्य संघ (जेएचएसए), आरडीए-सीआईपी और अन्य प्रतिष्ठानों के सदस्य रांची में मार्च भी निकाला।

**डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए सरकार कदम उठाए : आईएमए :** आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोकन ने कहा कि देश के हर कोने से अन्याय के खिलाफ डॉक्टर एकजुट होकर खड़े हैं। इमरजेंसी सेवाओं का ध्यान रखते हुए हर जगह डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। हम सरकार से इस दिशा में कदम उठाने की उम्मीद करते हैं, क्योंकि यह सुरक्षा का एक बुनियादी सवाल है, विशेष कर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर, न केवल डॉक्टर, बल्कि देश की सभी महिलाओं की सुरक्षा का सवाल है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार से हम उनसे मौलिक अधिकार मांग रहे हैं, जीवन का अधिकार। इस संबंध में प्रधानमंत्री को पत्र लिखेंगे। अब उनके हस्तक्षेप का समय आ गया है।

**अपराधी को सरकार फांसी की सजा दे : महिला डॉक्टर**

रांची। कोलकाता में महिला रेजिडेंट चिकित्सक की दुर्घर्म के बाद हत्या के विरोध में शनिवार को रांची के सभी निजी अस्पतालों ने डॉक्टरों ने सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों के साथ संयुक्त रूप से विरोध प्रदर्शन किया। जेडीए, रिम्स, आईएमए, झाम्सा, आरडीए, सीआईपी और एचपीआई के सदस्य रिम्स परिसर से मार्च करते हुए आईएमए भवन पहुंचे और यहां प्रदर्शन किया। बता दें कि कोलकाता की घटना के बाद झारखंड के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल रिम्स में भी चिकित्सकों का आंदोलन जारी है। डॉक्टरों का कहना है कि जिस प्रकार आज देश की बेटी दरिंदों का शिकार हो गयी, दोबारा किसी बेटी के साथ ऐसा कुछ ना हो। इसलिए राज्य भर के डॉक्टर ने विरोध प्रदर्शन करते हुए अपराधी को फांसी देने की मांग कर रहे हैं। रिम्स में कार्यरत महिला डॉक्टरों ने कहा कि हम तमाम रांची के डॉक्टर बहुत दुखी हैं, क्योंकि कम उम्र की ट्रेनी महिला डॉक्टर, जो रात-दिन मरीज की सेवा में लगी रहती हैं। मगर उन्हें क्या मिलता है, दर्दनाक मौत। इस प्रकार की घटना से मन विचलित है। ऐसे दरिंदों को सरकार तुरंत फांसी की सजा दे।



रांची की सड़क पर तख्ती लेकर विरोध प्रदर्शन करतीं नर्सिंग स्टाफ.

■ झारखंड में चिकित्सकों की हड़ताल से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित रहीं

■ निजी अस्पतालों के डॉक्टरों का संयुक्त विरोध प्रदर्शन

**स्वास्थ्य मंत्री बोले**

**डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए समिति बनाएं**

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि स्वास्थ्य पेशेवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी संभव उपाय सुझाने के मद्देनजर एक समिति गठित की जाएगी। सरकार ने ये फैसला डॉक्टरों एसोसिएशन के प्रतिनिधियों की बैठक के बाद लिया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि राज्य सरकारों सहित सभी हितधारकों के प्रतिनिधियों को समिति के साथ अपने सुझाव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। मंत्रालय ने देशभर में आंदोलन कर रहे डॉक्टरों से अनुरोध किया है कि व्यापक जनहित को देखते हुए आप अपने काम पर लौट आएं।

**हेमंत ने डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की**

■ सरकार आपकी वेदना में आपके साथ खड़ी है



■ मरीजों को स्वस्थ बनाने में डॉक्टर सार्थक सहयोग दें

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्यभर के डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की है। उन्होंने 'एकजुट' कर पोस्ट कर कहा है कि बंगाल की घटना की जितनी भी निंदा की जाए, कम है। बंगाल सरकार और केंद्र सरकार की एजेंसियां दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए प्रयत्नशील हैं। मुझे पूरी उम्मीद है कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। सीएम ने आगे लिख है कि राज्य के सभी डॉक्टरों से अपील करना चाहूंगा कि आपकी सरकार, आपकी

**रांची सदर अस्पताल के डॉक्टरों ने भी कार्य बहिष्कार किया**

रांची। आईएमए के आह्वान पर देश भर के डॉक्टर 24 घंटे के लिए हड़ताल पर रहे। इसी कड़ी में रांची के सदर अस्पताल के भी सभी डॉक्टर शनिवार को कार्य बहिष्कार कर धरने पर बैठे रहे। डॉक्टरों ने कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ घटी जघन्य वारदात के सभी दोषियों को तत्काल गिरफ्तारी और त्वरित सुनवाई कर सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। इसके साथ ही स्वास्थ्य संस्थानों को विशेष संरक्षित क्षेत्र घोषित करने, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को अत्याचार से बचाने के लिए केंद्रीय कानून बनाने और मेडिकल छात्रों और डॉक्टरों की सुरक्षा से संबंधित नियमों को लागू करने के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद को सशक्त बनाने की मांग की।

# वे डोलत रस आपने उनके फाटत अंग

**चंद्रमौली**

इस बार स्वाधीनता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के प्राचीर से जो कुछ कहा, वह भाजपा के सहयोगियों के लिए विचारणीय है। प्रधानमंत्री का भाषण आकाशमिक भी था और उसमें पुराने भाषणों का दोहराव भी समाहित था। लेकिन जो नया था, वह देश की राजनीति के लिए उल्टे कर की हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश में संस्युलर समाज नागरिक संविधान (सीसीसी) लागू होनी चाहिए और वर्तमान कम्युनल सीसीसी खत्म होनी चाहिए। हालांकि देश में कोई समान नागरिक संविधान ही नहीं है। जो संविधान है, वह असमान यानी सभी धर्मों के लिए अलग-अलग। शाब्द इस्तीफा वह कम्युनल है, ऐसा हो पाएगा या नहीं और होगा भी कैसे, यह तो मोदी और भाजपा वाले ही बता पायेंगे। लेकिन क्या इसके लिए नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू और

चिराग पासवान, जितनराम मांझी, अनुप्रिया पटेल जैसे सहयोगी तैयार होंगे? नेताओं ने हमेशा उस सीसीसी का विरोध किया है, जिसे प्रधानमंत्री संस्युलर बता रहे हैं और वह भी लाल किले से। अब सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री यह तथ्य नहीं जानते हैं कि मुस्लिम मतों का सौदागार विपक्ष तो ऐसी किसी भी पहल का पुरजोर विरोध करेगा ही, एनडीए के घटक दल भी मुंह फुलाएंगे, उन्हें सब पता है। बावजूद इसके वह इस बाबत अपना संकल्प दोहरा रहे हैं, तो जाहिर है वह अपनी सरकार को खतरे में डालने की हद तक आगे बढ़ने को तैयार हैं। यदि इस मुद्दे पर सरकार गिर गई, क्योंकि भाजपा के पास अकेले स्पष्ट बहुमत नहीं है, तो मोदी शायद इसी मुद्दे पर मध्यावधि चुनाव में उतरने की योजना पर काम कर रहे होंगे। भाजपा के साथी दलों ने अभी इस पर कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है, लेकिन मुस्लिम

मतों की तिजारत से उन्हें भी गुरेज नहीं है। याद कीजिये, एनडीए तब बना था जब भाजपा ने अपने महत्वपूर्ण मुद्दे राम मंदिर, धारा 370 और सीसीसी को उठे बस्ते में डालकर गठबंधन के लिए हाथ बढ़ाया था। कभी अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बन पायी थी, तब लालकृष्ण आडवाणी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कहा था कि वैचारिक प्रतिबद्धताओं की एक सीमा होती है। इसे छोड़े वगैर बहुमत जुटाना और सरकार बनाना असंभव है। जब संसद में विपक्ष ने प्रधानमंत्री वाजपेयी पर तंज कसते हुए कहा कि आपने अपने मुख्य मुद्दे छोड़ क्यों दिए, तब उन्होंने संसद में ही कह दिया कि हमने अपने मुद्दे छोड़े, क्योंकि हमारे पास बहुमत नहीं है। लेकिन आज बहुमत न होते हुए भी सीसीसी को मोदी सार्वजनिक रूप से उछाल रहे हैं, तो वह देश को बताना चाहते हैं कि हम अपनी प्रतिबद्धता नहीं छोड़ेंगे। वह शायद यह भी इंगीत

कर रहे हैं कि यह नये जमाने की नयी भाजपा है, जो विपरित परिस्थिति में भी अपने मुद्दे नहीं छोड़ती है। भाजपा अपने दो मुद्दे राम मंदिर और धारा 370 पूरे कर चुकी है। एक अदालत के आदेश से पूरा हुआ और दूसरा स्पष्ट बहुमत के कारण। लेकिन तीसरा मुद्दा इस तीसरे कार्यकाल में पूरा कैसे होगा? इस सवाल के बावजूद मोदी यह संदेश दे रहे हैं कि उनके तीसरे कार्यकाल को भी निरंतरता में ही देखना चाहिए। यानी एनडीए विपक्ष संभव है सीसीसी पर पेश होनेवाला विधेयक उसी प्रकार संयुक्त संसदीय समिति को भेज दिया जाए, जैसे वफ़्फ विधेयक को भेज दिया गया था और वह भी एनडीए के साथियों के सुझाव पर। विपक्ष इस पर उम्मीद लगाये बैठा था कि नीतीश, चंद्रबाबू, चिराग की पार्टियां विरोध करेंगी, लेकिन सबने संसद में समर्थन में दहाड़ा और विपक्ष के हाथों के तोते उड़ गये। - शेष पेज 11 पर

**राज्यपाल ने कर्नाटक के सीएम के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलेगा**

**एमयूडी घोटाला**

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन घोटाले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दे दी है। यह फैसला टीजे अन्नाराम, प्रदीप और स्नेहमयी कृष्णा की ओर से दायर तीन याचिकाओं पर आधारित है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 26 जुलाई को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। उन्होंने मुख्यमंत्री को उन पर लगाए

**निर्वाचित सरकार को हटाने की साजिश : सिद्धारमैया**



कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने एमयूडीए भूखंड आवंटन घोटाले के संबंध में राज्यपाल द्वारा उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दिए जाने के बाद इस्तीफा देने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि मैं ऐसा कोई गलत काम नहीं किया है, जिससे मुझे इस्तीफा देना पड़े। सिद्धारमैया ने ने कहा कि इस पर अदालत ने यह भी कहा कि राज्य की निर्वाचित सरकार को हटाने की एक बड़ी साजिश है।

**क्या है मामला :** सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती को मैसूरु में प्रतिभूक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस भूमि की तुलना में अधिक था। इसे एमयूडीए द्वारा अधिग्रहण किया गया था। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। यह घोटाला 5,000 करोड़ रुपये का बताया जा रहा है।

पर आरोपों पर जवाब देने और यह बताने के निर्देश दिए गए थे कि उनके खिलाफ अभियोजन की अनुमति क्यों नहीं दी जानी चाहिए?





# शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार



www.lagatar.in

जमशेदपुर, रविवार 18 अगस्त 2024 • श्रावण शुक्ल पक्ष 14 संवत् 2081 • पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 10 • वर्ष : 2, अंक : 130

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

## ब्रीफ खबर

**हर हर महादेव सेवा संघ का भजन संध्या कल**  
जमशेदपुर। हर-हर महादेव सेवा संघ द्वारा आयोजित भजन कार्यक्रम सोमवार को है। इसके लिए साकची के गुरुद्वारा मैदान में विशाल पंडाल का निर्माण कराया जा रहा है। पंडाल में भव्य स्टेज के अलावे 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की जा रही है। शनिवार को संस्था के संस्थापक अमरप्रोत सिंह काले समेत संस्था के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल में चल रही तैयारियों का जायजा लिया।

## एसएसपी ने की क्राइम मीटिंग, समीक्षा की

**जमशेदपुर।** वरीय पुलिस अधीक्षक कौशल किशोर ने शनिवार को अपने कार्यालय सभागार में क्राइम मीटिंग की। इस दौरान उन्होंने चोरी, डकैती, लूट, गुहभेदन, वाहन चोरी से संबंधित लंबित कांडों की समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में उपस्थित ग्रामीण क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक, सभी थाना प्रभारी एवं विभिन्न कांडों के अनुसंधानकर्ता को लंबित कांडों का शीर्ष अनुसंधान पूरा करने का निर्देश दिया।

## घर में फांसी लगाकर एक छात्र ने की आत्महत्या

**चक्रधरपुर।** चक्रधरपुर थाना क्षेत्र के रिटायर्ड कॉलोनी में एक छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जाता है कि रिटायर्ड कॉलोनी निवासी सत्यप्रकाश बारी ने अपने घर के एक कमरे में पंखे से मकड़ों के सहारे फांसी लगा ली। बताया जाता है कि छात्र एनआर पिछले वर्ष चक्रधरपुर की केंद्रीय विद्यालय से 12वीं की परीक्षा पास की थी। शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया।

## टाटा मोटर्स में रक्षा बंधन के दिन ब्लॉक वलोजर

**जमशेदपुर।** टाटा मोटर्स का जमशेदपुर प्लांट दो दिन बंद रहेगा। 18 अगस्त को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण तथा 19 अगस्त को ब्लॉक वलोजर के कारण प्लांट बंद रहेगा। 20 अगस्त को सामान्य दिनों की तरह कंपनी खुलेगी। इस संबंध में प्लांट हेड की ओर से संकुलर जारी किया गया है। खासकर 19 अगस्त को ब्लॉक वलोजर रहने से कर्मचारी हर्षित हैं।

## शहर में कल आंधी के साथ बारिश का येलो अलर्ट

**जमशेदपुर।** मौसम विभाग के पूर्वमान के अनुसार 19 व 20 अगस्त को कोल्हान समेत राज्य के कई शहरों में आंधी के साथ वर्षा हो सकती है। इसको लेकर विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। हालांकि 18 अगस्त को आसमान में बादल छाए रहने तथा कहीं-कहीं हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग ने कहा कि राज्य के कुछ जगहों पर तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है।

## वैम्बर ने रांची-जयपुर विमान सेवा की मांग की

**जमशेदपुर।** सिंहभूम चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने राजस्थान के खाटू धाम में प्रत्येक वर्ष लगने वाले फागन महोत्सव में जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए राजधानी रांची से जयपुर तक सीधी हवाई सेवा उपलब्ध कराने की मांग की। इससे जुड़ा एक पत्र चैम्बर अध्यक्ष ने नार विमान मंत्री केआर नायडू एवं प्रधानमंत्री कार्यालय को भेजा। एयर इंडिया, विस्तारा एवं इंडिगो को भी आग्रह पत्र भेजा।

## पूर्व सांसद की बेटी के निधन पर सुदेश ने जताया दुःख

**जमशेदपुर।** आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने जमशेदपुर के पूर्व सांसद सुनील महतो और सुमन महतो की बड़ी सुपत्री अंकिता के असाध्यिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अंकिता का असाध्यिक निधन पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें। दुःख की इस घड़ी में समस्त आजसू परिवार शोक संतप परिजनों के साथ खड़ा है।

# कोलकाता में महिला चिकित्सक से दरिदगी व हत्या के विरोध में आईएमए ने निकाला आक्रोश मार्च डॉक्टरों ने दोषियों पर कार्रवाई की मांग की

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल की ट्रेनी महिला चिकित्सक के साथ हुई दरिदगी व हत्या मामले में चिकित्सकों का विरोध प्रदर्शन शनिवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के आह्वान पर 24 घंटे के कार्य बहिष्कार के तहत शनिवार को पूर्वी सिंहभूम जिले में सभी सरकारी अस्पताल व स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने सेवाएं नहीं दीं। जिसके कारण मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। जिले के सबसे बड़े एमजीएम अस्पताल में आपातकालीन सेवा को छोड़कर ओपीडी एवं ऑपरेशन थियेटर लगभग बंद हो रहे। दरवाजे खुले रहे स्वास्थ्य कर्मी आए, लेकिन कोई चिकित्सक अपने केबिन में नहीं आया, जिसके कारण मरीजों को बैरंग लौटना पड़ा। यही स्थिति खासमहल स्थित सदर अस्पताल की भी रही। वहां भी इमरजेंसी सेवा को छोड़कर कहीं भी मरीजों की चिकित्सा से जुड़ा काम नहीं हुआ। इमरजेंसी में मौजूद चिकित्सक व चिकित्सकर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर काम किया। दूसरी ओर उक्त घटना के विरोध में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की जमशेदपुर इकाई की ओर से शनिवार की शाम को प्रोटेस्ट मार्च निकाला गया। जो आईएमए बिल्डिंग से प्रारंभ होकर साकची गोलचक्कर तक गया तथा वहां से आईएमए बिल्डिंग लौट आया। जिला सचिव डॉ. सौरभ चौधरी ने बताया कि कोलकाता की जघन्य घटना का दुःख चिकित्सकों के साथ-साथ आम लोगों को भी है। कई जगहों पर लोग सड़कों पर उतरकर विरोध जता रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस घटना में शामिल दोषियों को कड़ी सजा देने तथा भविष्य में इस तरह की घटना नहीं हो। इससे जुड़े कदम उठाने की मांग की। कहा कि सरकार मेडिकल प्रोटेक्शन बिल में कड़ा प्रावधान करे। प्रोटेस्ट मार्च में आईएमए के अध्यक्ष डॉ. जीसी मांझी समेत काफी संख्या में चिकित्सक शामिल रहे।



जमशेदपुर में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की आक्रोश मार्च में शामिल डॉक्टर।

## अनुमंडल अस्पताल में डॉक्टरों ने किया सांकेतिक हड़ताल



चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल से निकाली गई आक्रोश रैली में शामिल स्वास्थ्यकर्मी।

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मीयों ने एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल किया। इसे लेकर शनिवार को अस्पताल में ओपीडी सेवा बंद रही। इमरजेंसी सेवा जारी रखी गई थी। शनिवार को अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.अंशुमन शर्मा व अस्पताल के अन्य डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मीयों ने काला बिल्ला लगाकर अस्पताल के बाहर घटना को लेकर नाराजगी जतायी। यहां चक्रधरपुर की सूर्या नर्सिंग होम की डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मीयों के अलावे सूर्या एनएम कॉलेज की शिक्षिकाएं व

छात्राएं शामिल हुईं। इस मौके पर अनुमंडल अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अंशुमन शर्मा ने कहा कि कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर के साथ दुष्कर्म के बाद की गई हत्या की जितनी भी निंदा की जाए कम है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में भी डॉक्टर सुरक्षित नहीं है। पुलिस-प्रशासन को इस ओर विशेष ध्यान देकर अस्पतालों को सुरक्षित कर डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मीयों को सुरक्षा दी जानी चाहिए। वहीं मौके पर अस्पताल की दंत चिकित्सक डॉक्टर दीक्षा सिंघल समेत अन्य डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मीयों ने घटना की निंदा करते हुये दोषी को कड़ी से कड़ी सजा

देने व स्वास्थ्यकर्मीयों को सुरक्षा देने की मांग की। इस मौके पर अस्पताल के सभी डॉक्टरों के अलावे नर्स व अन्य स्वास्थ्यकर्मी के अलावे सूर्या नर्सिंग कॉलेज के प्रबंधक नर्सिंग महतो, प्रचार्या मीनु मनीश्री तिकी के अलावे शिक्षिकाएं, छात्राएं व स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे। चक्रधरपुर के अनुमंडल अस्पताल में एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल के साथ-साथ आक्रोश रैली निकालकर घटना पर नाराजगी जतायी। इस रैली में डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मी घटना को लेकर डॉक्टरों को सुरक्षित करने संबंधित स्वीगन लिखे तख्तियां लिये हुये चल रहे थे।

## सेल अस्पताल के चिकित्सकों ने काला बिल्ला लगाकर किया मरीजों का इलाज

**किरीबुरु।** कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर से दुष्कर्म कर उसकी हत्या करने के विरोध में शनिवार को सेल की किरीबुरु-मेधाहातुबुरु जनरल अस्पताल के चिकित्सकों व पारा मेडिकल स्टाफ ने काला बिल्ला लगाकर काम किया। सभी ने उक्त घटना की कड़ी निंदा की और विरोध जताया। इस आंदोलन में अस्पताल की सीएमओ डा. नंदि जेराई, डा. पीआर सिंह, डा. सोना झरिया कुल्लु, डा. मधुसुदन दास, डा. बीके सिंह, डा. अर्चना बेक, डा. सरस्वती खलको, डा. मनोज कुमार, डा. केवीबी बसंत रायडू, डा. सुमीथा



कुमारी पूजा, डा. हरेन्द्र कुमार, डा. करण सौरभ आदि शामिल हैं। सभी चिकित्सकों ने दोषियों को फांसी की सजा देने तथा चिकित्सकों की सुरक्षा की मांग की। आईएमए के आह्वान पर उक्त घटना के विरोध में शनिवार सुबह 6 बजे से पूरे देश भर के चिकित्सक हड़ताल पर हैं। यह

## दुष्कर्म के विरोध में बंद रहा अनुमंडल अस्पताल का ओपीडी

**घाटशिला।** कोलकाता की ट्रेनी डॉक्टर दुष्कर्म व हत्या के विरोध में चिकित्सकों का 24 घंटे का राष्ट्रव्यापी हड़ताल शनिवार से शुरू हो गई है। इस हड़ताल का आह्वान आईएमए की ओर से किया गया। अनुमंडल अस्पताल घाटशिला के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी आरएन सोरेन ने कहा कि हड़ताल के दौरान ओपीडी सेवा बंद है। इसके साथ ही 24 घंटे तक चलने वाले हड़ताल के दौरान सभी आवश्यक सेवाएं जारी रहेंगी और घायलों को देखभाल की जाएगी। अनुमंडल अस्पताल में इमरजेंसी ड्यूटी के लिए डॉ. विकास मांडी अस्पताल में तैनात है। डॉ विकास मांडी ने बताया कि सुबह से आकस्मिक सेवा के लिए पहुंचे कुल 9 मरीजों का जांच की गई है। चिकित्सकों के विरोध प्रदर्शन में हम सभी चिकित्सक शामिल हैं।

## सरायकेला के चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मी रहे हड़ताल पर

**आदित्यपुर।** कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म और हत्या के मामले के विरोध में सरायकेला-खरसावां जिले के सरकारी चिकित्सक और स्वास्थ्य कर्मियों ने शनिवार को अपना कामकाज ठप रखा। जिला मुख्यालय के सदर अस्पताल एवं सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को ओपीडी में मरीज का रजिस्ट्रेशन पूरी तरह से बंद रहा। बता दें कि स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर चिकित्सा कर्मियों ने केवल इमरजेंसी सेवा चालू रखी। शनिवार को सदर अस्पताल सरायकेला के मुख्य गेट पर चिकित्सक एवं स्वास्थ्यकर्मीयों ने विरोध प्रदर्शन भी किया है। चिकित्सक सी. भारती राव ने कहा कि चिकित्सकों के साथ ऐसे हैवानियत की घटना कि जितनी निंदा की जाए वह कम है। सरकार पहले चिकित्सकों को सुरक्षा दे।

## यूसिल नो सेप्टी नो ड्यूटी पोस्टर के साथ किया प्रदर्शन

**जादूगोड़ा।** आईएमए के आह्वान पर यूसिल के सभी तीन यूनिट मसलन जादूगोड़ा, नरवापहाड़ व त्रामडीह अस्पताल की ओपीडी डी सेवा पूरी तरह ठप रही व डॉक्टर हड़ताल पर रहे। इस दौरान जादूगोड़ा यूसिल अस्पताल के मुख्य मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर एम के रजक की अगुवाई में डॉक्टरों ने नो सेप्टी नो ड्यूटी, मुझे न्याय चाहिए लगे पोस्टर के साथ



प्रदर्शन किया व अपना आक्रोश व्यक्त किया। अस्पताल के प्रभारी डॉक्टर एम के रजक ने कहा कि यूसिल के ओपीडी सेवा ठप रही।

## गड़ों से भरे सड़क की मरम्मत के लिए मंत्री को लिखा पत्र



**डुमरिया।** पूर्वी सिंहभूम जिले के पोतका प्रखंड स्थित हेंसड़ा से रसुनचोपा तक एनएच - 220 पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। एनएच में बड़े-बड़े अनगिनत गड्डे बन गये हैं। एनएच - 220 की मरम्मत के लिए विधायक संजीव सरदार ने केंद्रीय परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है।

## डॉ टीके विश्वास के खिलाफ कार्रवाई के लिए एसएसपी से मिले परिजन

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

कदमा के रामजनम नगर के रहने वाले रवींद्र बाग के परिजन शनिवार को वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कौशल किशोर से मिले। इस दौरान उनकी पत्नी रंजीता बाग ने सीएच एरिया नॉर्थ वेस्ट सोनारी में क्लिनिक चलाने वाले स्थित डॉ. अनुराधा विश्वास व डॉ. टीके विश्वास पर गलत इलाज करने का आरोप लगाया तथा कार्रवाई की मांग की। कहा कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला उनका परिवार आमरण अनशन पर बैठने से नहीं चुकेगा। रंजीता बाग ने एसएसपी को बताया कि बीते अप्रैल माह में उनके पति रवींद्र बाग के पेट में दर्ज होने पर वह उन्हें टीके विश्वास के क्लिनिक लेकर गई थी। वहां बताया गया कि गॉलब्लैडर में स्टोन है। जिनका

ऑपरेशन करना होगा। ऑपरेशन डॉ. टीके विश्वास करेंगे, जो बंगाल के मिदनापुर में टुरां मेट्रिनिटी एंड चार्डिल्ड केयर सेंटर नमक नर्सिंग होम चलता है। 20 अप्रैल को डॉ. टीके विश्वास ने रवींद्र बाग के पथरी का ऑपरेशन कर दिया। 21 अप्रैल को डॉक्टर टीके विश्वास मिदनापुर वापस चले गए, दो दिन बाद रवींद्र बाग के सीने और पेट में असहनीय दर्द होने लगा। पुनः जब परिजन सक्रिय हाउस एरिया स्थित क्लिनिक पहुंचे तो पता चला कि डॉ. विश्वास मिदनापुर में हैं। डॉ. टीके विश्वास ने मिदनापुर बुलाकर दोबारा ऑपरेशन किया। साथ ही स्वीकार किया कि गलती से रवींद्र बाग की आंत कट गई है जिसके कारण उनकी परेशानी बढ़ गई है। दोबारा ऑपरेशन करने के बाद दर्द कम नहीं होने पर दो बार और ऑपरेशन किया लेकिन फायदा नहीं हुआ।

## बांस पर बिजली तार दौड़ाकर दुर्घटना को आमंत्रित करता है विद्युत विभाग : सरयू राय

वरीय संवाददाता। जमशेदपुर

जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की बैठक में विधायक सरयू राय के निशाने पर बिजली विभाग रहा। बैठक में उन्होंने कहा कि 'दिशा' का जो अनुपालन प्रतिवेदन है, वह सही नहीं है। श्री राय ने बिजली विभाग के संदर्भ में यह नाराजगी जताई। बैठक में श्री राय ने बिजली विभाग की खिंचाई करते हुए कहा कि बांस पर तार दौड़ा कर बिजली दे दी जाती है। इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग के पदाधिकारी-कर्मचारी फोन नहीं उठाते। फोन बंद भी रखते हैं। फिर ये फोन रखते क्यों हैं? उन्होंने कहा कि बढ़ती आबादी के मद्देनजर अब बिजली विभाग को



बैठक में पहुंचे विधायक सरयू राय का स्वागत करते डीडीसी। अपनी क्षमता और बढ़ाने की नितांत जरूरत है। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग की ऐसी हालत है कि कहीं पोल टूटने हो गया है तो कहीं किसी के मकान से पोल सट गया है। शिकायत करने के बाद भी बिजली विभाग के कानों पर जूं नहीं रेंगती। सवाल यह है कि आखिर ये लोग करते क्या हैं? एक कनिष्ठ अभियंता के अधीन नौ-नौ बिजलीकर्मी रहते हैं, इसके

## मुकाबला नौरंगराय सूर्यदेवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में विभाग स्तरीय प्रश्न मंच

## 370 भैया-बहनों ने लिया भाग, विजेताओं को दिया गया मेडल

संवाददाता। चांडिल

नौरंगराय सूर्यदेवी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, रूचाप, चांडिल में शनिवार को विभाग स्तरीय प्रश्न मंच प्रतियोगिता आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ जमशेदपुर विभाग प्रमुख तुलसी प्रसाद ठाकुर, सह प्रमुख ब्रज कुमार टुडू, सचिव बागबेड़ा संकुल संयोजक सह अध्यक्ष अरविंद कुमार सिंह और स्थानीय विद्यालय के कोषाध्यक्ष सुचांत उरांव ने दीप प्रज्वलन कर और भारत माता पूजन कर किया। प्रतियोगिता में जमशेदपुर विभाग के कुल सात संकुल के लगभग 370 भैया-बहनों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के बाद सभी विजेता प्रतिभागियों को विद्यालय द्वारा प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर के सम्मानित किया गया। साथ ही प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यालयों को भी विद्यालय के द्वारा ट्रॉफी देकर



सम्मारोह में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत करते आचार्य।

सम्मानित किया गया। इस अवसर पर तुलसी प्रसाद ठाकुर ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से भैया-बहनों का मानसिक और

बौद्धिक विकास होता है। उनमें प्रतियोगिता की भावना आती है। कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के सभी शिक्षक -

शिक्षिकाओं की भूमिका सराहनीय रही। ये रहे प्रतियोगिता के विजेताविज्ञान विषय के शिशुवर्ग में प्रथम चांडिल, द्वितीय बांदा, इचांगढ़

और तृतीय चाईबासा, बाल वर्ग में प्रथम चाईबासा, द्वितीय सरायकेला व तृतीय चांडिल, किशोर वर्ग में प्रथम बागबेड़ा, द्वितीय चांडिल व तृतीय सरायकेला, वैदिक गणित विषय के शिशु वर्ग में प्रथम चांडिल, द्वितीय बांग्लाभाषा व तृतीय बागबेड़ा, बाल वर्ग में प्रथम बांग्लाभाषा, द्वितीय बागबेड़ा व तृतीय चाईबासा, किशोर वर्ग में प्रथम बागबेड़ा, द्वितीय चाईबासा, किशोर वर्ग में प्रथम सरायकेला, द्वितीय गोवामुंडी व तृतीय चांडिल, बाल वर्ग में प्रथम सरायकेला, द्वितीय बागबेड़ा व तृतीय बिरसानगर, किशोर वर्ग में प्रथम चांडिल, द्वितीय बागबेड़ा व तृतीय बिरसानगर, संगणक के शिशु वर्ग में प्रथम चाईबासा, द्वितीय बागबेड़ा व तृतीय जगन्नाथपुर, बाल वर्ग में प्रथम सरायकेला, द्वितीय चांडिल व तृतीय चाईबासा, किशोर वर्ग में प्रथम सरायकेला।

## रेलवे अंडरग्राउंड के पास जल जमाव से मिलेगी मुक्ति : हेमंत



संवाददाता। आदित्यपुर

आरआईटी थाना क्षेत्र को मुख्य सड़क से जोड़ने वाली सड़क के बीच रेलवे अंडरग्राउंड के दोनों ओर बरसात होने ही काफी जल जमाव हो जाता है। साथ ही जल जमाव के कारण वहां सड़कों की हालत भी पूरी तरह जर्जर हो चुकी है। इसके कारण आने-जाने वाले राहगीरों को काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बड़े-बड़े गड्डे, एवं जर्जर सड़क के कारण आए दिन लोग दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। आज इस समस्या को लेकर भाजपा नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल दक्षिण पूर्व रेलवे के सहायक मंडल अभियंता 2 हेमंत

कुमार महापात्र से टाटा नगर स्थित उनके कार्यालय में मिला। और उन्हें लिखित रूप से आदित्यपुर रेलवे अंडरग्राउंड संबंधित सभी समस्या से अवगत कराया। साथ ही प्रतिनिधि मंडल ने कहा की लगभग तीन महीनों तक हिंदुओं का सभी महत्वपूर्ण पर्व त्योहार है, इसलिए समस्या का समाधान अति शीघ्र किया जाए। रेलवे के सहायक मंडल अभियंता हेमंत कुमार महापात्र ने जल जमाव की समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के पूर्व जिला मंत्री सतीश श के साथ अन्य लोग भी शामिल थे।





## सबसे ऊपर देश हमारा जन जन का विश्वास चाहिए!

**कविता कलम**  
डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

**जन** -गण-मन में देशभक्ति गहराने लगी तो महानगरों से लेकर गांवों तक तिरंगा के रूप में राष्ट्रीय पताका लहराने लगी. हजारों वीर सपूतों के बलिदानों की कीमत पर देश में आजादी के रूप में नया विधान हुआ. स्थान-स्थान पर राष्ट्र के सम्मान में रंगारंग कार्यक्रमों के आयोजन हुए. कवियों के हृदय से देशभक्ति की रचनाएं फूट पड़ीं. संगीतकारों की वीणा के तार तरंगित होने लगे तो मुद्रंग की ताल भी उसमें घुलमिल कर समां बांधने लगी. गायकों ने अपने मधुर स्वर में गीत समर्पित किये उसी महान लिपि पर देशभर में स्वाधीनता का सम्मान हुआ. वर्ष में एक बार स्वाधीनता दिवस मना लेना, तिरंगा को ऊंचे नभ में फहरा लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्वाधीनता दिवस के बाद से लेकर अगले स्वाधीनता दिवस तक प्रतिदिन देश के हर नागरिक के मन-मस्तिष्क में नागरिकता का बोध होना चाहिए. जो देश की सर्वांगीण प्रगति के मार्ग प्रशस्त हो सके. हर नागरिक को स्वाधीनता और स्वच्छंदता में अंतर समझना होगा. स्वाधीनता कहती है-अपने अधीन रहो. अपने अधीन रहने का आशय है स्वयं पर स्वयं ही शासन करो. मन बहकने लगे तो उसपर विवेक का अंकुश लगा कर उसे रोक लो और उसे समाज और राष्ट्र के नियमों, कानूनों, बंधनों को सम्मान देने की प्रेरणा दो. स्वयं को स्वच्छंद न समझो, क्योंकि स्वच्छंद का आशय होता है बंधनमुक्त. स्वयं को बंधनमुक्त समझनेवाला कभी नियमों और कानूनों के सम्मान नहीं दे पाता और समाज में अराजकता का प्रसार होता है, जिसे हम गाहे-ब-गाहे महसूस करते रहते हैं और कई बार विवादा भी हो जाते हैं. कुछ ऐसा ही संदेश दे रहे हैं दुमका निवासी कवि **शंभुनाथ मिश्रा**. इनकी कविता का शीर्षक है-आजादी.



### सास

हिन्दी के कवियों को जैसे गीत-गवस लगा करती है, या नेता-टाइप लाला को, नाम-छपास लगा करती है. गधुरा के पंजों को लगती है खवास औरों के घर पर, उसी तरह श्रोतगण पाकर मुझे कलस लगा करती है. पढ़ते वकत मुझे ब्रयवन में अक्सर व्यास लगा करती थी, और गीत का घंटा आते, शंका खास लगा करती थी. बड़ा ठुस्रा तो मुझे इश्क के दोरे पढ़ने लगे अर्थकर, रर तड़की की अम्मा मुझको अपनी सास लगा करती थी. कसम आपकी, सच कहता हूं, मुझको सास बहुत प्यारी है, मिस्रने मेरी पत्नी जाई, उस माता की बलिहारी है. जरा सोचिए, अगर विधाता जग में सास नहीं उपाते, तो हम जैसे पापन प्राणी बिना विवाहे ही रह जाते. कले कलें से गुन्नी आती? कले, कलें से गुन्ना आता? इस भारत की जन-संख्या में अपना योगदान रह जाता.

### - गोपाल प्रसाद व्यास

भारतमाता के सपूत अब विद्रा लामो उठो जग कर, घर में दुखन पनप रहे जो उन्हे कैद दो अद्वितीय आग पर. उन श्रायें जो झड़ दिशेला धरती का श्रिभ्रायण लग रहे, आजादी कर ही मिटा दो गाथे चढ़ता पाप लग रहे. आजादी का मानदण्ड है सब सगान हित के हैं भागी, खल सही का से सगान सब मातृभूमि के हैं अश्रुभागी. जो दरिद्री फेत रही है अब बदलित नहीं हो पाता, इसे मिटाना है समूत अब धीरु रही है धरती माता. कौन आज खतरा बन बैठा आजादी को बोट दे रहा, उठे बंदर रोज कही पर किससे क्या संदेश ले रहा. आजादी को आज हमें फिर बने सिर से गढ़ना होगा, मिश्री के कंकरीले पन को दूर हटाकर बहना होगा. अब स्वदेश की रर नारी को सन अधिकार रहेगा मिलकर, फेड़ एक तो रर डाती का फूल, सगान, रहेगा प्रिलकर. सबसे ऊपर देश हमारा जन जन का विश्वास चाहिए, आजादी कर ही देश के गधुरों का नासा बाधिए. शम्भुनाथ जी प्रदेश के वरिष्ठ कवि हैं. चूँकि लंबी अवधि तक ये शिक्षक के रूप में नन्दे-मुन्दे के व्यक्तित्व गढ़ते रहे हैं, इसलिए इनकी रचनाओं के एक-एक शब्द में एक शिक्षक बोलता महसूस होता है. कवि शम्भुनाथ द्वारा दिये गये संदेश राष्ट्रहित से ओतप्रोत हैं. उन्हें हृदयंगम किया जाना चाहिए. इनके संदेश का प्रमुख भाग यह है कि स्वाधीनता का अर्थ यह नहीं कि हम मनमानी करें और किसी दूसरे की

परवाह ही न करें. बल्कि हमें स्वयं से अधिक अन्य लोगों के लिए चिंता करनी चाहिए. जब आसपास के सभी लोग सुखी और संपन्न होंगे तो उसका आनंद आपको भी विभोर करेगा. धनबाद निवासी कवि अनंत महेंद्र तो चाहते हैं कि भारतवर्ष एक बार फिर यलगर शत्रुओं पर आक्रमण करे, यलगर हो कर अखंडित भारत का स्वप्न साकार हो जाये. प्रस्तुत है कवि **अनंत महेंद्र** की यह ओजस्वी रचना- भारतभारतवर्ष बनें यलगर हो. खल अखंडित भारत का साकार हो. पुनः पुरातन समृद्धि संघान रहे वंद्युप सा श्रोत्रसी ललकार हो. पाक प्रथिकृत कस्कीरी धरती का भी उद्धार करो. चीन अतीतिक कृत्य करे तो उसका भी प्रतिकार करो. शस्त्र-शास्त्र से हो भयभीत शत्रु पग वापस नाप उठे. रोड रूप दिखाना ऐसा रिपुल धर-धर कांय उठे. घर के भी गधुरों का संशर हो. हिन्दुश के पर्यत से जगद्गदेश की गाठी तक. सिंधु धार से बहते-बहते गंगा ग्री की घाटी तक. त्रिविष्टिक, भूटान सहित नेपाल से सिंहलद्वीप सटे. कर कोई न-भाग कभी न संघ नात्र नबो से हटे. भारत नां की वरिष्ठ श्रवकर हो.



## स्वास्थ्य सेवाएं और मौलिक सुरक्षा

**चौराहा**  
प्रमोद कुमार झा

### भारत

में आधुनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के शुरू हुए डेढ़ सौ वर्ष से अधिक हो गए. महान चिकित्सक और समाज सुधारक डॉ. रमा बाई पंडिता भी प्रारंभिक दौर में ही चिकित्सा की पहलू करने इंग्लैंड गयी थी, लेकिन आर्थिक काल से भारत में महिला चिकित्सकों को लगातार विभिन्न प्रकार की प्रताड़नाओं, अपमानों और ऐसे व्यवहार का सामना करना पड़ता था, जिसे आजकल 'जेंडर डिस्क्रीमिनेशन' कहा जाता है। पिछले सप्ताह हुए कलकत्ता के मेडिकल कॉलेज में हुई वीमत्स घटना के बाद तो देश के विवेक और अन्तरात्मा पर प्रश्नचिह्न लगाना स्वाभाविक है। कुछ दशक पूर्व यौन अपराध को रक्षाशक्ति कहने पर हिंदी के प्रसिद्ध लेखक हरिशंकर परसाई ने कहा था कि इसे 'पार्श्विक' कहना पशुओं का अपमान करना है, क्योंकि कोई भी पशु बलात्कार नहीं करता! सुअर तक भी बलात्कार नहीं करते! जाहिर है ये जघन्य अपराध और निकृष्ट कार्य सिर्फ मनुष्य ही करते हैं. आश्चर्य की बात है कि यौन अपराधियों की ओर सामाजिक, धार्मिक और राजनीतिक मान्यताएं कैसी हैं. अवश्य ही इनपर एक एक कर विचार करना प्रासंगिक होगा. परिवार में हुए यौन अपराध को परिवार के लोग ही दबाने, छिपाने की पूरी कोशिश करते हैं, क्योंकि इससे रपरिवारटूटने का खतरा रहता है कारण अपराधी भी तो कोई परिवार का सदस्य ही होता है. कई दशकों में जितने तथाकथित धर्म गुरुओं के यौन अपराध में लिप्त होने की बात सामने आती रही है कि अब किसी 'गुरु' जैसे व्यक्ति से विश्वास ही उठ गया है. पुराने समय से बड़े पुराने प्रख्यात मंदिरों में युवा देवदासियों के संग यौन अपराध की सुनियोजित लंबी परम्परा रही है. हमारे समाज ने बहुत हाल में आकर इस व्यवस्था को समाप्त किया और इसकी भरसना की. पर अभी भी धर्म की आड़ में युवा लड़कियों और महिलाओं के संग यौन अपराध किया जाता रहा है. सबसे चिंतनीय है राजनीति में महिलाओं के संग यौन अपराध का राजनीतिकरण. याद कीजिए पटना का बोबी हत्याकांड, दिल्ली के एक पंच सितारा होटल में एक महिला के तन्दूर में जलाने की घटना इत्यादि. ताज्जुब तब होता है जब हाल के कोलकाता में हुए चिकित्सक के संग सामूहिक बलात्कार और हत्या की भी राजनीतिक रंग दिया जा रहा है. देश के एक प्रमुख राजनीतिक दल के नेता ने इस पर 'लड़के हैं, गलतियां हो जाती हैं' जैसी टिप्पणी की थी. बलात्कार के आरोप में बंद राजनीतिज्ञ के बेल पर जेल से बाहर आने पर बड़े नेताओं द्वारा माला पहनाकर स्वागत, अभिनंदन किया गया, खेलों में महिला खिलाड़ियों के संग यौन उन्दीड़न की आवाज उठाने पर आरोपी को ही संरक्षण दिया गया. गौर करें कि देश की सम्मानित संवैधानिक संस्थाओं में आरोपी सदस्य होते रहें हैं. क्या हमें मानना पड़ेगा कि यह देश यौन अपराधियों का देश है? एक वृद्ध महिला चिकित्सक का अनुभव पढ़ रहा था हाल में. उनका कहना था कि पिछली शताब्दी के चौथे दशक में भी एक मेडिकल छात्रा के रूप में उन्हें और सारे महिला स्वास्थ्य कर्मचारियों को चारों ओर बलात्कारी नजरों के बीच गुजाना पड़ा था. इसमें वे सारे लोग थे जो अन्याय भले, सम्मानित लोक हैं। याद कीजिए बहुचर्चित अरुणा शाननाग की दुर्घटना, पिछले दिनों एक महिला वैटिनरी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या की घटना और अब इस कोलकाता वाली दुःख दुर्घटना! एक सर्वे के अनुसार भारत में एक चौथाई से अधिक मेडिकल कर्मी मानसिक तनाव से ग्रस्त हैं. किसी प्रांगण में कर्मी को सुरक्षा नियोजना की पूरी जिम्मेदारी है. क्या अखिलभारत में सुरक्षा कर्मी के रूप में सिर्फ महिलाओं को नियुक्त किया जाएगा? क्या प्रत्येक अस्पताल में और मेडिकल कॉलेज में कार्यरत डॉक्टरों और अन्य महिला स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सुरक्षित वैसिक सुविधाओं और आराम की जगह की व्यवस्था की जाएगी? क्या अस्पतालों में चतुर्दिक कैमरे और सुरक्षा की उचित व्यवस्था की जाएगी? अपराधी को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी, एक राजनीतिक वक्तव्य हो गया है. क्या ऐसे अपराध को पूरी तरह से रोकने की कोई योजना है? यदि नहीं तो ऐसे बलात्कार और हत्याएं होती रहेंगी!



## चित्रकूट : अवलोकित अपहरत विषादा

**यायावर**  
डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

**महाकवि** गोस्वामी तुलसीदास की 527 वीं जयंती के पावन पुनीत अवसर पर 11-12 अगस्त 24 को चित्रकूट जाने का सुअवसर प्राप्त हुआ. दो दिवसीय तुलसी जयंती का आयोजन तुलसी शोध संस्थान मध्य प्रदेश सरकार के तत्वावधान में किया गया था. इसके संकल्पक प्रो अवधेश प्रसाद पाण्डेय और प्रायोजक श्री दीपक कुमार गुप्ता निर्देशक (जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी), मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद्, भोपाल एवं रामेश्वर पटेल थे. चित्रकूट पहले भी अनेक बार गया हूँ, लेकिन इस बार का जाना कई अर्थों में शिष्ट और विशिष्ट रहा. इस बार बहुत निकट से चित्रकूट को देखने समझने का सुअवसर प्राप्त हुआ. चित्रकूट की भूमि वह पवित्र भूमि है, जहां प्रभु श्रीराम 14 वर्षों की वनवास की अवधि में लगभग 12 वर्ष चित्रकूट में रहे. इस पवित्र भूमि ने संकट की घड़ी में रहीम का भी साथ दिया था. अब्दुल रहीम खानखाना जब मुगल दरबार से किसी कारण वश जहांगीर द्वारा निकाले गये थे तो चित्रकूट में ही शरण मिली थी. रहीम ने चित्रकूट की महिमा का गान करते हुए लिखा है कि विपत्ति की घड़ी में चित्रकूट की भूमि सबका साथ देती है:-



अपना खोया राज्य पा सके थे. इसी कामद गिरि की गुफाओं में प्रभु श्रीराम का आश्रम था. इसी कामद गिरि पर राम भरत का आध्यात्मिक संवाद हुआ था. यह संवाद महामुनियों और महाज्ञानियों (बशिष्ठ, विश्वामित्र, महाराज जनक आदि) की उपस्थिति में हुआ था. जिसे सुप्रसिद्ध इतिहासकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने कामदगिरि पर हुई बैठक को आध्यात्मिक घटना की संज्ञा प्रदान करते हुए लिखा है कि चित्रकूट में जो राम और भरत का मिलन हुआ है-वह शील और शील का, स्नेह और स्नेह का और नीति और नीति का मिलन है. इस मिलन से संघटित उत्कर्ष की दिव्य प्रभा देखने योग्य है, जिससे सारा वन प्रभत जगमगा उठा. यह झांकी अपूर्व है. इसी कामतान्या की महिमा का वर्णन करते हुए महाकवि तुलसीदास ने मानस के अयोध्या काण्ड में लिखा है कि:-

**कामद गिरि भू राम प्रसादा. अवलोकित अपहरत विषादा.**

प्रखर समाजवादी चिंतक डा राम मनोहर लोहिया ने कहा था कि भारत की सामासिक संस्कृति को एक सूत्र में जोड़ने का काम केवल रामकथा कर सकती है. उनको इसी संकल्प का

मूर्त रूप चित्रकूट में अखिल भारतीय रामायण मेला का प्रत्येक भारतीय रामायण मेला के आयोजक स्व गोपाल कृष्ण करविरिया जी और आचार्य बाबू लाल गंग जी थे. पहले यह रामायण मेला एक दिवसीय था, आज यह रामायण मेला पांच दिवसीय हो गया है और अब इस मेला के संयोजक राजेश कुमार करविरिया के पुत्र श्री प्रशांत करविरिया जी और रामायण मेला के महामंत्री डॉ. करुणा शंकर द्विवेदी जी हैं. इस अद्भुत अखिल भारतीय रामायण मेला के आयोजन के लिए सभी बधाई और प्रशंसा के पात्र हैं. पुण्य शील भारत रत्न नाना जी देशमुख ने इसी चित्रकूट में महात्मा गांधी ग्रामोद्योग विश्वविद्यालय की स्थापना की है. देश का अकेला विकलांग विश्वविद्यालय श्री रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय इसी चित्रकूट में अवस्थित है. वाल्मीकि रामायण के अनुसार इस चित्रकूट में अनेक ऋषि महर्षि श्री शिवजी के साथ तप कर अपना पुण्य चित्रकूट को देकर स्वर्ग चले गये थे. भगवान शिव ने कामदगिरि को वरदान दिया था कि जो व्यक्ति तुम्हारी तीन परिक्रमा करेगा, तुम्हारी चोटियों के दर्शन करेगा-उसकी सभी कामना पूर्ण होगी. इसी चित्रकूट में ब्रह्मा, विष्णु महेश तीनों देवों को बालक रूप में जन्म लेना पड़ा था और सती अम्बुसुया के आश्रम में तीनों देव बालक बन क्रीड़ा करते थे. महर्षि अत्रि का आश्रम यही है. कलियुग ने समस्त संसार पर अपना जाल बिछा दिया था, किंतु प्रभु श्रीराम की कृपा से अद्यावधि चित्रकूट उससे मुक्त है. गुप्त गोदावरी, भरत कूप, स्फटिक शिला, हनुमान धारा, राम घाट, जानकी घाट, लक्ष्मण घाट यहीं हैं. जगद गुरु श्री रामभद्राचार्य जी का तुलसी पीठ यहीं है. पर्यटकों और मंदिकानि का पवित्र संगम यहीं है. इसी चित्रकूट की मंदिकानि के रामघाट पर हनुमान जी के सौजन्य से तुलसी को राम के दर्शन हुए, जिसके साक्ष्य में ये दोहा बहुप्रचलित है:-

**चित्रकूट के घाट पर, भई संतन की भीर. तुलसीदास चंदन धिसे, तिलक देत रघुवीर.**

## दुनिया को मां से समझो

**नशतर**  
सुधीर राघव

**हम** एक दुनिया में हैं. हमारे चारों ओर एक दुनिया है. इस दुनिया को जानिये न गूह रहस्य बनाया है. पुराण तो यहां तक कहते हैं कि इस दुनिया का कोई ओर छोर नहीं है. मगर वह तबिना ओर-छोर वाली ज्ञानियों की दुनिया है और ये ज्ञानियों की बाते हैं. शायरों और कवियों की दुनिया जरा अलग हटकर है. उनकी बाते भी अलग हैं. उन्होंने दुनिया को अपने तजुब से जाना है. मियां मिर्जा गालिब दुनिया को बच्चों का खेल मानते थे. वे बाकायदा अपनी कलम से लिखकर गए कि बाबीजा-ए-अतफाल (बच्चों का खेल) है दुनिया मिर्रे आगे, होता है शब-ओ-उज तमाशा मिर्रे आगे. मिर्जा को छोड़कर शहाब जाफरी साहब की बात करते हैं. वह तो इतने नशे में थे कि इक रोज उन्होंने अपने पांव तले ही दुनिया कुचल दी. इस वाक्य को उन्होंने कुछ यूँ लिखा-चल तो पांव के नीचे कुचल गई कोई शाय, नशे की झोक में देखा नहीं कि दुनिया है. अकबर इलाहाबादी बड़े उस्ताद थे. वह साफ-साफ कह गए कि दुनिया में हूँ दुनिया का तलबगार नहीं हूँ, बाजार से गुजर हूँ खरीददार नहीं हूँ. दुनिया को लेकर निदा फाजली साहब का लहजा जरा जुदा रहा है. एक जगह वह कहते हैं - दुनिया जिसे कहते हैं, जादू का खिलौना है, मिल जाए तो मिट्टी है खो जाए तो सोना है. शेख इब्राहिम जौक दुनिया से दिल लगाने को लेकर सावधान कर गए मगर साथ ही कह गए कि इसके बिना काम भी नहीं चलता- बेहतर तो है यही कि न दुनिया से



दिल लगे, पर क्या करें जो काम न वे-दिल-लगी चले. अल्लामा इकबाल दुनिया को अपने बुझे दिल की नजर से देखते हैं और कहते हैं - दुनिया की महफिलों से उकता गया हूँ मैं या रब, क्या लुत्फ अनुमन का जब दिल ही बुझ गया हो. जौन एलिया साहब दुनिया को ठेंगे पर रखते हैं. उनका अंदाज देखिए - नहीं दुनिया को जब पर्व हमारी, तो फिर दुनिया की पर्व क्यूं करें हम. इन सबसे आगे हैं लाला माधव राम जौहर जो दुनिया को रहने के काबिल ही नहीं मानते. वह तो सबसे कह गए कि अपना बोरिया बिस्तर उठाओ-दुनिया बहुत खराब है जा-ए-गुजर नहीं, बिस्तर उठाओ रहने के काबिल ये घर नहीं. हसरत जयपुरी दुनिया को लेकर काफी निराश थे. उन्होंने दुनिया बनाने वाले से ही सवाल पूछ डाला कि तूने काहे को दुनिया बनाई. कैफ़ी आसमी यहां तक कह गए कि ये दुनिया, ये महफिल मरे काम की नहीं. प्रेम धवन ने लिखा तरे दुनिया से होके मजबूर चला, मैं बहुत दूर, बहुत दूर चला. आनंद बख्शी का दुनिया को देखने का नजरिया अलग था, उन्होंने कहा है कि दुनिया में कितना गम है, मेरा गम कितना कम है. दुनिया पर कवियों और शायरों ने जितना रिसर्च किया है उतना तो वैज्ञानिक भी नहीं कर सके. एक बार यूनानी गणितज्ञ आर्कीमीडीज ने कहा था कि मुझे एक पर्याप्त लंबाई का लीवर दे दो और उसे रखने की जगह दे दो, मैं इस पूरी दुनिया को पलट दूंगा. इस तरह यह दुनिया जीवन को पालती ही नहीं है, बल्कि उसे उलटने और पलटने की स्वतंत्रता भी देती है. इतनी स्वतंत्रता अपने बच्चों को एक मां ही दे सकती है. इसलिए दुनिया को समझना है तो मां को समझ लो.

## संजय बनर्जी की कलाकृतियों में छोटानागपुर का पटार

**कला-संवाद**  
मनोज कुमार कपरदार

**कलाकार** अक्सर प्रकृति से प्रेरणा लेते हैं और अपनी कलाकृति में प्रकृति को शामिल करते हैं. प्रकृति से प्रेरित कलाकार की कलाकृतियां किसी भी माध्यम में हो सकती हैं. इन कलाकृतियों से प्रकृति और प्रकृति के साथ मानवता के रिश्ते के बारे में पता चलता है. प्रकृति से जुड़ी कला केवल प्रकृति की सुंदरता को दिखाने के लिए ही नहीं की जाती, बल्कि इससे पर्यावरण में वैज्ञानिक अवलोकन करने और प्रकृति से जुड़े दार्शनिक विचारों के लिए भी दिमाग खुलता है. प्रकृति से प्रेरित कला उकेरने का पहला कदम प्रकृति में समय बिताना है. विन्सेंट वॉन गॉग का मानना था कि एक कलाकार को प्रकृति को सही मायने में जानना और समझना चाहिए. ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका प्रकृति के बीच जाकर उसे महसूस करना और काम करना होता है. तभी तो संजय बनर्जी जैसे कलाकार पठारों पर जाते हैं और वहां के प्राकृतिक सौंदर्य की अनुभूति करते हैं. संजय बनर्जी लगभग



### 'कला-संवाद' का शतक पूरा

मनोज कुमार कपरदार झारखंड के एक मात्र कला समीक्षक हैं, जिनके पास एक सोच भी है और समर्थ कला भाषा भी. इसलिए ये जो लिखते हैं, उसे पढ़ने का आनंद कुछ अलग ही है. बेशक इनकी लेखनी में आज झारखंड की कला को नई पहचान मिल रही है.



मनोज कुमार कपरदार हिंदी दैनिक शुभम संदेश के लिए दो वर्ष से साप्ताहिक कॉलम कला संवाद के माध्यम से झारखंड के कलाकारों से कला प्रियायों को परिचित करा रहे हैं. आज इस कॉलम की सीवी कड़ी पाठकों के सामने है.



चित्रमयी स्टेट गैलरी ऑफ फाइन आर्ट्स हैदराबाद, बिरला एकेडमी ऑफ आर्ट एण्ड कल्चर कोलकाता, चित्रकला परिषद बंगलोर, आनंदी आर्ट गैलरी हावड़ा में लग चुकी है. मुंबई, कोलकाता, भोपाल, अरुणाचल प्रदेश, जमशेदपुर, हैदराबाद के कला शिविरों में भाग ले चुके हैं. कला के क्षेत्र में इन्हें कई सम्मान भी प्राप्त हो चुके हैं. संजय बनर्जी का कहना है कि छोटानागपुर पठार एक बीती हुई



लहर की तरह इनके छोटे से शहर में मिल जाता है. जो इनका गहनगर और कार्यस्थल दोनों है. यह पहाड़ियों, नदियों और हरी-भरी भूमि के विस्तृत विस्तार से घिरा हुआ है. प्रकृति द्वारा प्रदान किया गया रंग हमेशा इनके प्लेट पर हावी रहा है. ये प्रकृति को रचनात्मक नजरिये से देखते हैं और उसे कागज और केनवास पर उतारने की कोशिश करते हैं. इन्होंने सदैव प्रकृति की प्रशंसा की है. चट्टानी नदियों और परिदृश्यों को देख कर इन्हें साहस और रचनात्मक भावना की अदम्य शक्ति का पाठ मिला है. ये इस साहस को ही केनवास पर तब उतारने की कोशिश करते हैं, जब ये अपने केनवास के माध्यम से नृत्य करने वाले सभी रंगों को संतुलित करते हैं और सामंजस्य स्थापित करते हैं. केनवास हो या कागज, इनकी सबसे बड़ी खासियत है जगह का पुरा-पुरा इस्तेमाल. मनुष्य की भी राह हो, इस कलाकार ने किसी भी तस्वीर में इंच भर जगह को हल्केपन में नहीं लिया. अपने संयोजन में विपरीत रंगों को भी पास-पास रखकर उनकी दोस्ती से खूबसूरती पैदा करने की कोशिश रहती है इनकी. इनके केनवास पर हर कलाकृति यह साबित करती है कि संतुलन को ये काफ़ी महत्त्व देते हैं.

# आवर



## परिचय

### राकेश कुमार सिंह

जन्म : 20 फरवरी 1960 पलामू (झारखंड) के गुरहा गांव में .  
 शिक्षा : स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान (पी.एच.डी.) एवं विधि स्नातक .  
 कृतियाँ : हांका तथा अन्य कहानियाँ, ओह पलामू .! , जोड़ा हरिल की रुककथा, महुआ मंदल और अंधेरा, कहानी खत्म नहीं होती, तमस कोहरा और .! , रूपनमर की रूपकथा (कथा-संग्रह)  
 पठार पर कोहरा, जहां खिले है रक्तपलाश, जो इतिहास में नहीं है, साधो, यह मरुत का गांव, हुल पहाड़िया, महाअरण्य में गिद्ध, ऑपरेशन महिषासुर, मिशन होलोकॉस्ट, ठहरिए .! आगे जंगल है, खोई हुई कड़ियाँ, महासमर की सांझ (उपन्यास)  
 केशरीगढ़ की काली रात, वैरागी वन के प्रेत, नीलगढ़ी का खजाना (किशोर उपन्यास)  
 कहानियाँ ज्ञान की विज्ञान की, आदिवासी, उलुपुलान, अग्निपुरुष, अरण्य कथाएं, अवशेष कथा (बालोपयोगी पुस्तकें) .

सम्मान : झारखंड का प्रतिष्ठित राधाकृष्ण सम्मान (2004), 'पाखी' पत्रिका का श्रेष्ठ साधक जनप्रिय सम्मान (2015), आनंद सागर स्मृति कथाकर्म सम्मान (2016) कथाकर्म कहानी प्रतियोगिता (2001 तथा 2002) में प्रथम पुरस्कार, कथाबिंब कहानी प्रतियोगिता (2002) में प्रथम तथा कमलेश्वर स्मृति कथा सम्मान (2008) में प्रथम पुरस्कार .  
 कहानी 'ठहरिए आगे जंगल है' पर दूरदर्शन द्वारा इसी नाम से टेलीफिल्म निर्मित - प्रदर्शित. कई कहानियाँ उडिया, पंजाबी तथा अंग्रेजी में अनूदित .



## जो मुड़ के देखता हूँ

“मेरे चरित्र वही बोलते हैं जो किर्बी मुनासिब मौकों पर मुझे कलना चाहिए था परन्तु मैं कह न सका. कारण कई हो सकते हैं... शिष्टाचारवश, लोकाचारवश, वर्जनाएं, हीनाता-ग्रंथि...! ऐसे में लेखन ही मेरा काउंटर ईगो है...” जाने-माने साहित्यकार राकेश कुमार सिंह की स्वीकरोक्ति के साथ इस अंक से शुरुआत हो रही एक अनियमित नए कॉलम “जो मुड़ के देखता हूँ” की . इसके तहत अगली बार हम एक अन्य महत्वपूर्ण साहित्यकार की लेखन यात्रा से होंगे रू-ब-रू...

# लेखन मेरा काउन्टर इगो है

जीवन के पैंतीसवें वर्ष में लिखना रास आया. अब टीस होती है कि बहुत समय बिना लिखे गंवा चुका हूँ. साहित्यिक सक्रियता की दृष्टि से निष्क्रिय खर्च समय की भरपाई अब असंभव है. सपने में भी नहीं सोचा था कि कभी लिखना भी मुझसे संभव होगा. मां-पिताजी के वंशवृक्ष में कई पीढ़ियों तक किसी लेखक-रंगकर्मी-चित्रकार-पत्रकार या गायन का कोई इतिहास नहीं... बावजूद इसके मैं साहित्य की ओर आकृष्ट हुआ तो इसका श्रेय मेरे जीवन में आए चार गुरु जनों का है. ये थे हावें सोन भैली हाई इंग्लिश स्कूल - देवरी (जपला) के हमारे हिन्दी शिक्षक स्वर्गीय रामदास तिवारी जी, मेरे गांव के गोतिया बाबा (पितामह) स्वर्गीय धनपत सिंह जी, मेरे महाविद्यालय के अग्रज सहकर्मी (साहित्यकार) डॉ मिथिलेश्वर जी और रांची विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अशोक प्रियदर्शी जी.

दसवीं-न्यासहवीं कक्षा में तिवारी माटसाब नाटकीय भंगिमा और संवादों के साथ जब “कहानी संकलन” और “साहित्य कहानियाँ” पढ़ाया करते थे तो मानो वे कथा प्रसंगों - चरित्रों को आंखों के समक्ष मूर्तिमान कर देते थे. वे कहते थे- “लंबी छुट्टियों में प्रेमचंद, प्रसाद, शरच्चंद्र, वृंदावन लाल वर्मा आदि के उपन्यास पढ़ा करो. हिन्दी सुधरेगी.”

अभिभावक जहां उपन्यास पढ़ना गंदी आदत बताते थे वहीं हमारे माटसाब वजित फल चख लेने को प्रेरित करते थे. कहाँ गए वे लोग? वे गुरु जन?

डोडो-गोडावन पक्षियों की भांति विलुप्तप्राय ऐसे शिक्षकों की प्रजाति अब या तो उनकी पारिवारिक तस्वीरों में है या हम जैसे विद्यार्थियों की स्मृतियों में रह गई है.

हमारे धनपत बाबा किसी शाला में शिक्षक भले नहीं थे परन्तु मेरे तई उनका दर्जा मेरे कथा गुरु का रहा और रहेगा. किस्से-कहानियों की जादुई दुनिया में उतरने वाली सीढ़ियों का एक दहाना धनपत बाबा को खलिहान में भी था.

गर्मियों की सांझ में नदी की रेत पर, शाम ढलने चांद निकलने तक रब्बी-खरीफ के मौसमों में धान-गेहूँ के खलिहानों में शीत-बसंत, तोता-मैना, कुंवरविजयमल, आलता-ऊदल, राजा भरथरी, सोरठी बूजाभार आदि-आदि की गेय कथाएं ऊंची गाँवों में गा-गा कर बांचते थे धनपत बाबा. उनका गुरु गंधी और सातवां सुर तो सीधा कलेजे में उतर जाता था.

अब लगता है कि विदेशी आक्रांताओं या बख्तियार खिलजी जैसे बबर हमलावरों द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय के पुस्तकालय दहन जैसे विध्वंसक अभियानों के बावजूद यदि भारतीय साहित्य-संस्कृति अमर रही तो इसे बचाए रखने का श्रेय हमारे आंचलिक कथावाचकों, लोक गायकों और भारतीय वांगमय की वाचिक परंपरा को ही जाता है.

तिवारी माटसाब ने यदि मेरी मानस-भूमि की जुताई-गुड़ाई कर इसे किस्से-कहानियों के योग्य बनाया तो धनपत बाबा ने उस तैयार जमीन पर कहानियों के बीज बोए. समय की मिट्टी तले सोए-शांत बीजों को अनुकूल मौसम उपलब्ध कराया मेरे तीसरे कथा गुरु ने... मिथिलेश्वर जी.

आरा (बिहार) के सृजनात्मक साहित्यिक पर्यावरण और मिथिलेश्वर जी के सिंचन-पटवन ने मेरे कथा बीज को उगा दिया. वे मिथिलेश्वर जी ही रहे जिन्होंने सर्वप्रथम मेरी पहली अनगढ़ लिखाई को कहानी का मान दिया. मुझे कथाकार की मान्यता दे कर मेरे लिए साहित्य की दुनिया के दरवाजे खोल दिए.

कथा-रसिक श्रोता-पाठक मैं अवश्य था परन्तु लिखना...!

## साहित्य और समाज का बदलाव

मुझे लगता है कि साहित्य से समाज को बदल डालने की सहिष्णु लेखक को मानसिक अवसाद की ओर धकेल सकती है. कुछ लोग इसके शिकार हुए भी हैं. जरूरी नहीं कि सभी सहमत हों पर मुझे लगता है कि साहित्य मात्र विचार दे सकता है. आगे सामाजिक बदलाव के आँजार दूसरे हैं. मथानी से कड़छी या चिमटे का काम लेना गैर



## कहानी की जमीं अपना पलामू

उन दिनों स्त्री-विमर्श का शोर था. लवलीन की रसीली कहानी 'चक्रवात' और कृष्ण बिहारी की 'दो औरतें' की खूब चर्चा थी. महाजनों येन गत : स : पंथा...! मैंने भी 'मसी किंलिंग' और 'प्लेशियर' लिख डाली. परन्तु जब फरवरी-1999 के 'हंश' में मेरी कहानी 'हांका' छपी और पाठकों से जो प्रतिसाद मिला तो मुझे मानो मेरी अपनी जमीन मिल गई. अपनी सीमा और सामर्थ्य का पता मिल गया. अपना पलामू! झारखंड का जनजीवन...!

मेरे पलामू में ही लगभग मेरे साथ शुरू हुए नवप्रवेशी, स्थापित लेखकों के बाद बचे पढ़ाए पर अपनी जगह ढूँढ़ने में जुटे मधु कांकरिया, नीलाक्षी सिंह, दूर्वा सहाय, संजय सहाय, वसु मालवीय आदि-आदि से मुझे अपना आत्मिक पहचान दी. पाठ्य-पुस्तकों के प्रेमचंद, प्रसाद, सुदर्शन, और विश्वभरनाथ शर्मा कौशिक का रूढ़ि लाना कर परीक्षाओं में बैठने वाला मैं जब लिखने लगा तो दूसरों को पढ़ने की भूख भी जाग उठी. फिर

तो उपन्यासों के शिखर, कहानियों की मीनारें, कविता के कंगूर, संस्मरणों के गली-कूचे... में विज्ञान का विद्यार्थी मानो पलिस की भांति किसी विचित्र देश में आ गया था. साहित्य की इंडमनुषी दुनिया! 'हंस', वर्तमान साहित्य, वसुधा, कथाकर्म, वागर्थ मेरी नियमित पत्रिकाएं हो गईं. इन्हीं मंचों पर मेरी अधिकांश कहानियाँ छपीं भी हैं. हिंदी उपन्यास में सबसे अधिक प्रभावित किया फणीश्वरनाथ रेणु जी ने. पढ़ने से इतना समझ में आने लगा था कि रचना अपनी जमीन से ही खाद-पानी ग्रहण करती है. मेरी प्रतिबद्धता की गर्भनाल पलामू के वर्षा वृष्टि पठार से जुड़ती गईं. पलामू और आगे झारखंड के हलवाहों, चरवाहों, सपेरो, मदारियों, बहेलियों, बहुरूपियों, नटुओं, नाविकों, आदिवासी समाज आदि-आदि से जुड़ती गईं. इनके दुःख-दैन्य, संघर्ष और अमर्ष ही मेरी रचनाशीलता के उत्स हैं. मैं इनका कर्जाई हूँ अस्तु मेरा लेखन दिल्ली-भोपाल-पटना जैसा नहीं हो सकता था. मैं महानगरीय

## ऐसे हुई लेखन की शुरुआत

यह मुश्किल काम शुरू हुआ था संयोग से या कहे हटयोग से. मेरी पत्नी की महती भूमिका रही है जिनकी निगाह में साहित्यकार का स्थान बहुत ऊंचा था. वे खूब पढ़ती थीं. उनकी नजरों में विशिष्ट बनने हेतु मैंने लिखने की टानी. एक बचकानी कोशिश कह सकते लेकिन यही सच है कि उपन्यास 'महासमर की सांझ' से पूर्व मेरे नाम से जो कुछ प्रकाशित होता रहा है वह वस्तुतः हम तीन लोगों का संयुक्त लेखन था. मैं, पत्नी अनीता और हमारे बेटे वरुण प्रभाकर द्वारा परिकल्पित और सृजित. साहित्य में शायद हमारा यह उपक्रम इकलौती मिसाल है. बहरहाल... पहली बार जब तीन फूलरूपे पृष्ठों की पहली कहानी (नवसलाहट) लिख ही डाली तब साहित्य की सर्वसुलभ पत्रिका 'हंस' ही थी. मैंने कहानी 'हंस' में भेज दी. संपादक 'हंस'-स्वर्गीय राजेन्द्र यादव जी के साथ जो पत्र-व्यवहार हुआ वह एक अलग किस्सा है. यहां बस इतना कि बिल्ली के भाग्य से छीका टूटा. बिना सूचना-स्वीकृति पत्र मिले परिवर्तित शीर्षक रनाम अज्ञातकरके साथ 'हंस' दिसंबर 1995 अंक में कहानी छप गईं.

अपने नाम के साथ छपे अक्षरों का का नशा उस दिन उतरने का नाम ही न ले. अपने गांव -जवार के जीवित-दिवंगत लोगों और घटनाओं का आधार बना कर हम तीन तिलगे कहानियाँ गढ़ने लगे. पत्नी कच्चा माल जुटाती. कच्चे माल में मैंने अपनी सोच और कल्पना के गोटे-फुंदने टांके और कहानियाँ संभव होती गईं.

उन दिनों 'नवलेखन अंक' या 'युवालेखन अंक' का चलन नहीं था. 'नए पते', 'पहला कदम' या 'आते हुए लोग' जैसे स्तंभ नहीं होते थे. बावजूद इसके मुझे राजेन्द्र यादव (हंस), प्रभाकर नारायण (अक्षरा, वागर्थ, नया ज्ञानोदय), कमला प्रसाद (वसुधा), विभूति शारायण राय, शैलेन्द्र सागर (कथाकर्म), अपूर्व जोशी (पाखी) जैसे सद्दय्य संपादक नसीब हुए और कारवां बढ़ता गया.

देह-राग की होड़ का हिस्सा बन कर अपनी प्राथमिकताएं नहीं भूल सकता था. मात्र प्रेमकथा या देहगाथा लिखूँ और झारखंड को अपनी किताब से बाहर रख दूँ तो मुझे खुद अपनी किताब खोखली लगने लगेगी. आगे-पीछे गते की जित्द और भीतर रद्दी कागज. झारखंड के इतिहास-संस्कृति-संघर्ष पर लिखते हुए, आदिवासी समाज के जय-पराजय को कहते हुए, अकेले और विश्वासपात होते समाज को दर्ज करते हुए भी रिरिते, भावनाओं, प्रेम आदि के कोण स्वतः स्फूर्त निकल ही आते हैं. मेरी मान्यता बनने लगी कि रचनाओं में दर्ज सच रचनाकार के अपने परिवेश और अनुभव से निकले तभी सर्वस्वीकार्य सच बन सकता है. यदि कोई रचनाकार अपने परिवेश को कभी चित्रित ही न कर सका तो वह ऐसा दृष्टिहीन मछेरा है जो आजीवन ऐसे ताल में जाल फेंकता रहा जिसमें मछलियों तो क्या, पानी ही नहीं था.

मुमकिन-गैरमुनासिब काम है. बहरहाल मशौनी लेखन मेरे लिए असहज है सो हाथ से ही लिखा और लिखता रहा हूँ. मैं मेज-विस्तर पर नहीं लिख सकता बल्कि मुनीम जी वाली छोटी डेस्क पर, चटाई पर बैठ कर लिखता हूँ. रचनाएं भी वहीं भेजता हूँ जहां अभी भी हस्तलिखित की कद्र होती है.

## मैं और मेरे पात्र

लेखन मेरे भीतर उबलते भावों के लिए प्रेशर कुकर की सीटी की भांति है. मेरे पात्र वही करते हैं जो किन्हीं समयों में मैं करना चाहता था पर कर न सका. मेरे चरित्र वही बोलते हैं जो किन्हीं मुनासिब मौकों पर मुझे कहना चाहिए था परन्तु मैं कह न सका. कारण कई हो सकते हैं... शिष्टाचारवश, लोकाचारवश, वर्जनाएं, हीनाता-ग्रंथि...! ऐसे में यह लेखन ही मेरा काउंटर इगो है. मैं लिखते समय लगभग सम्मोहन की स्थिति में होता हूँ और मेरे भीतर का अतृप्त "मैं" मुझसे अपना मनचाहा लिखवाता

जाता है. लिखने के लिए सबसे पहले मन में कोई स्थिति, चरित्र, कथा भूमि या विषय आता है. इसके बाद मुझे अपने चरित्रों के लिए एकदम सजते हुए अर्थपूर्ण नाम चाहिए होते हैं वनां चरित्रों से मेरी दोस्ती नहीं हो पाती और लेखन आत्मीय ढंग से नहीं चल पाता. सटीक नामकरण के बाद मुझे अपने चरित्रों से मुडब्त होने लगती है. इस प्रेम का रंग ज्यों-ज्यों गाढ़ा होता जाता है मेरे पात्र मेरे भीतर जीने लगते हैं. मुझे उनके रंग, रूप, आदरें, स्वभाव, पसंद-नापसंद या लकिया कलाम गढ़ने नहीं पड़ते. मेरे चरित्र मेरे साथ सोते-जगते हैं, मुझसे बतियाते-झगड़ते रचना के कथोपकथन या संवाद देने लगते हैं.

## आलोचकों की दृष्टि

लेखन की मेरे अड्डस सालों के सफर में ईमानदारी से स्वीकारूं तो मेरा अनुभव रहा कि मेरी कहानियाँ आम पाठकों द्वारा खूब पढ़ी गईं परंतु आलोचकों के मानकों पर शायद उतनी

खरी नहीं उतर सकीं. संभव है. क्योंकि मैंने अपना लक्ष्य 'आम पाठक' चुना न कि 'खास पाठक' या आलोचक. आलोचक के निकष पर खरा उतरने योग्य चीज बलात् लिखने की कोशिश लेखक को हास्यास्पद बना देती है.

आलोचना ने मेरे उपन्यासों का संज्ञान अवश्य लिया. मेरे पास उपन्यास ही अधिक हैं. उपन्यास लिखना ही मुझे रास आता है. कहानी जीवन की एक फांक होती है जबकि उपन्यास पूरा एक जीवन होता है. मैं खंड-खंड चीजें कम पसंद करता हूँ. मुझमें संपूर्णता की ललक है और यही ललक मुझे अपने गुरुजों डॉ अशोक प्रियदर्शी जी तक ले गईं.

मेरे लेखक के परीक्षा गुरु रहे प्रोफेसर अशोक प्रियदर्शी जी. परीक्षा गुरु इसलिए कि मेरी कहानियाँ तो उन्हें ठीक-ठाक लगती थीं पर जब मेरा लिखा दूसरा उपन्यास "जहां खिले हैं रक्तपलाश" मेरे लिखे पहले उपन्यास "पठार पर कोहरा" से महीने भर पहले ही छप कर आया तो मानो यह मेरी

उत्तरपुस्तिका थी. मैंने इसे गुरुजी के सामने डरते-डरते प्रस्तुत किया और अपना डर प्रकट भी किया कि कृपया धर्यपूर्वक झेल लें. पहली कोशिश है. पता नहीं कुछ बात बनी या...!

वे दिन भी क्या दिन थे जब मैंने साहित्य में प्रवेश पाया था और आज का दिन है कि किसी नई रचना के साथ गुरुजी के समक्ष प्रस्तुत होने में अब भी सहमा रहता हूँ. आखिर में यह कि सच कहूँ तो मुझे नहीं पता कि साहित्य की दुनिया में मेरी जगह कहाँ बनती है. कहाँ बनती है भी या नहीं. बांग्ला, तमिल, कन्नड, ओडिया, तेलुगु आदि-आदि में एक-एक साहित्यकार के पास सौ-सौ किताबें हैं. ऐसे में अपनी छोटी-सी पुंजी के साथ मैं इतने से ही संतुष्ट हूँ कि हिंदी कथासाहित्य के सौ-सवा सौ वर्षों की सुदीर्घ परंपरा में, जहां अनेक महान और कालजयी साहित्यकार खड़े हैं, मैं भी किसी कोने में उपस्थित हो सका. इस महान परंपरा का अदना-सा एक वारिस मैं भी...? यह मेरे लिए गर्व की बात है.

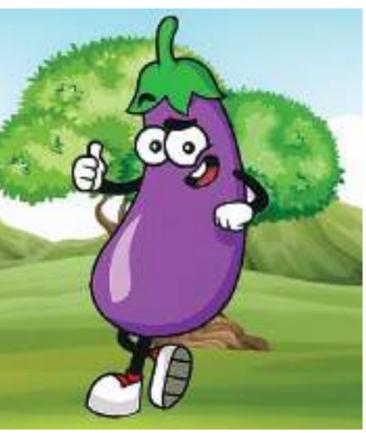
## व्यंग्य

# डॉलर वाले बैंगन जी

देसी आदमी जब दोस्तों को इम्रेस करना चाहता है तो उन्हें पिज्जा और बर्गर खिलाता है. वही देसी आदमी जब विदेश पहुंचता है तो रोज पिज्जा बर्गर खाते हुए इस आशा से अपना स्टेटस अपडेटेड पोस्ट करता है कि हर अपडेट के साथ वह स्वयं को अपडेटेड घोषित कर रहा है और उसकी स्टेटस में भी इजाफा हो रहा है. लेकिन एक सप्ताह के बाद उसे पिज्जा और बर्गर की शकल वैसी ही लगने लगती है जैसी आज के लड़कों को दो महीने बाद गर्लफ्रेंड की सूट लगने

लगती है- आज भी वही? जैसे महिला-पुरुष-समानता-शिविर में भाग लेने आई तन्वंगी सुंदरी जिस सौभाग्यशाली पुरुष प्रतिभागी के चाय के निमंत्रण को स्वीकार करती है वह सातवें आसमान पर विचरण करने लगता है. लेकिन जब वही सुंदरी 'चाय' के साथ भारी-भरकम 'शाय' का बिल उन्हें थमाकर, समानता की बातें ताक पर रखकर उन्हें टा-टा करके चल देती है तो उन्हें बिना किसी बिल के रोज चाय पिलाने वाली अपनी बेरोजगार पत्नी वाली जमीन याद आने लगती है. ठीक उसी तरह विदेश प्रवास के एक सप्ताह बाद आपको घर की दाल-रोटी की याद सताने लगती है.

इसी याद के सताए हुए हम अपने विदेश प्रवास के एक सप्ताह के स्वर्णिम समय की अवधि पूर्ण करने के उपरांत वहां के सब्जी बाजार पहुंचे. अंडरग्राउंड कार पार्किंग, वातानुकूलित भवन, एस्केलेटर लगे प्रवेश द्वार - हम कृष्ण के महल के बाहर खड़े सुदामा की मनादेश उस समय



समझ पाए. बाजार में सब्जियां भी इज्जत के साथ शेल्फ में सजी हुईं. हमारे देश के गांवों में तो आज भी दलित आदमी किसी कुर्सी पर बैठने में भी हिचकता है, पता नहीं कब कोई लात मार कर धकिया दे. यहां सब्जियों की शान देख लो, जिस पंक्ति में ब्रोकोली अकड़ रही है, उसी के पास वेअदव मूली भी इतरा रही है. यही ब्रोकोली जब हमारे देश आती है तो अपने विदेशी मेहमानों की तरह हम उसे पूरा सम्मान देते हैं. अदना गाजर-मूली को तो उसके साथ सटने भी नहीं देते. उसे बाकायदा इज्जत से अलग टोकरी में सजा कर रखते हैं. कोहड़ा तो हमारे यहां मुख्य सब्जियों के पीछे कहीं फेंका हुआ सा, कटा-फटा सब्जी विक्रेता के चाकू प्रहार की प्रतीक्षा में भयभीत सा पड़ा रहता है. उसे अपने घर साबुत तो कोई ले जाने से रहा. एकाध टुकड़ा ही जाएगा और वह भी खाने की मेज पर क्रिकेट टीम के बारहवें खिलाड़ी की तरह मुंह लटकए पड़ा रहेगा. वही उपेक्षित कोहड़ा यहां बाकायदा एक चौथाई टुकड़े में कटा, सेलोफेन में

लिपटा, बारकोड के साथ 2 डॉलर का प्राइस टैग दिखाकर मुंह चिढ़ा रहा था. जिसे आज तक हमने बतसी रूपए के लायक नहीं समझा उसकी कीमत दो डॉलर यानी सौ रूपए से भी अधिक? आगे बैंगन जी सजे थे. बैंगन जी! इसलिए क्योंकि जिस मुर बैंगन को हमने देश में मुंह भी नहीं लगने दिया था, उसे हाथ लगाने के लिए जब 7 डॉलर यानी साढ़े तीन सौ रूपए चुकाने पड़े तो उसे 'जी सर' तो कहना ही पड़ेगा.

उस दिन मुझे समझ आया कि अपने मुहल्ले के मास्टर साहब के फिसड्डी बेटे ने 'उल्लू के पट्टे' से 'जी सर' की यात्रा कैसे तय की. जिस अपने देश की धरती पर कोई स्कूल पास होने देने के लिए तैयार नहीं था और कोई कॉलेज लेने के लिए भी नहीं. वह हाई मार्ग से विदेशी धरती पर आकर यहां की किसी सुसज्जित शेल्फ में बैठा इतरा रहा था. यहां से जब वह अपने डॉलर वाले अवतार में वापस अपने देश में अवतरित होता है तो सारे लोग उसे 'जी सर, जी सर' कहकर ही संबोधित करते हैं. उस दिन वह विदेशी बाजार मुझे कुरुक्षेत्र की तरह लग रहा था जिसमें बड़े-बड़े महारथी, जिन्हें हम अभी तक फूल गोभी, बंधा गोभी, पालक, बैंगन कहकर हिकारत की नजर से देखते थे वे सभी कौली पत्तावर, कैबेज, स्पिनैच और एगप्लांट जैसे नामों के टैग लगाए अपने डॉलर वाले दामों की तलवारों मेरी ओर चमका रहे थे- कोई तीन सौ, कोई चार सौ- पांच सौ! उस दिन मुझे कृष्णवर्णी बैंगन ने महाज्ञान दिया - "देखा तुमने, अभी तक तुम मुझे काली-कल्टी-बैंगन-लूटी कह कर चिढ़ाते रहे. मुझे खाने की मेज पर देखते ही नाक-भौं चढ़ाते रहे. इसीलिए मुझे अपने देश की धरती का त्याग कर यहां आना पड़ा. यहां एगप्लांट का नाम पड़ते ही मेरी कीमत की बढ़ गई और इज्जत भी. आज तुम भले ही अपने सात डॉलर बचाकर निकल जाओ लेकिन सत्य यही है कि तुम एक दिन लौट कर आओगे और मुझे मेरी कीमत अदा कर इज्जत के साथ लेकर जाओगे क्योंकि अब तुम जान चुके हो कि यह पिज्जा-बर्गर की दुनिया केवल माया है. असली संतुष्टि मेरे अंदर ही है." उसी बैंगन की कसम, हमने मास्टर जी के बेटे सहित देश के अन्य सभी बैंगनों से क्षमायाचना की, चुपचाप डॉलर वाले 'बैंगन जी' को उठाया और ससम्मान अपने थैले में स्थापित किया.

## कविताएं

**शिव**  
 उन्मुक्त स्वीकारता ई विषाद के क्षण को  
 दिश अग्र भित्त जाये,  
 हंसकर मैं पीता हूँ,  
 संस्कार की पुंजी, संस्कृति श्रद्ध धन है.  
 हिंगालय से उठ्ठ  
 प्रशांत मेरा मन है.  
 शिव का यरदान है, शक्ति का उपासक हूँ,  
 सादो पर अग्रिकार,  
 निज मन का शासक हूँ,  
 दुःख हो या उल्लास,  
 बराबर से जीता हूँ,  
 यह नहीं विनय की,  
 भय नहीं कुछ खोने का  
 पूज भरत का, विडियों नहीं, शेर सोने का  
 शिराओं में प्रसफुटत  
 काल निनाद होता है,  
 सबल गुणाओं में, दीर्घ इतिहास सोता है.  
 उन्मुक्त रस विश्व, ज्ञान का अग्रिष्ठाना हूँ.

**भारत हूँ**  
 सदा आदि काल से,  
 डरा नहीं रबारीयत,  
 देख दन्त कराल के,  
 दिव्य विजय की नहीं की  
 कभी भी अश्रिताया  
 नत से कोई की नहीं कभी ऐसी आशा  
 निर्दिकय रहा सदा, रागों से रीता हूँ.  
 परागित हूरा रहा सदियों तक पराधीन  
 स्वगीयद कभी लौकिक  
 उगा नहीं क्षीण  
 उगा गया कई बार,  
 छत के सथों हरा  
 उठा हर बार, स्वयं ही स्वयं को संवारा  
 मैं अग्रवे भाव्य का, स्वयं ही निर्गता हूँ.

**शिव**  
 कृष् अलग से हैं  
 मेरे भीतर स्थित  
 गन्धिर में रहे हैं  
 कई-कई बार  
 मैंने कोशिश की  
 अपने में करुं  
 नंदिर में करुं  
 उनकी प्राण प्रतिष्ठा  
 लेकिन हर बार  
 बस मुझ ही स्थापित हुईं  
 शिव मेरे भीतर ही रहे  
 मेरा संबल बन कर  
 उन्होंने सारा दिव्य धिया  
 नुझे दिव्यवृत्त रखने को  
 मेरे हर धाव को गंगा  
 के जल से धो कर  
 बेल पत्र से उसका उष्वार किया  
 जब भी पीज पराकाष्ठा  
 की सीमा लंघने को हुईं  
 उन्होंने भांग थोला मेरे भीतर  
 और मेरे मुख पर दिखत  
 उठे अग्रिगित धरुं के फूल  
 मेरे भीतर जो शक्ति है  
 वो शिव ही है  
 आदि, अनादि शिव !

**नौरज नीर**  
 सम्यता सिखाता-रस

**ये बूढ़ें, हां जीवन हैं**  
 चारों तरफ दिखी हरियाली  
 हूर भाव युस्वरुण आली.  
 भोग गया इसके संग तब है  
 डूना प्रफुल्लित मेरा मन है  
 इनमें ही अस्तित्व मनुष्य का  
 इनके ये तन, मन, धन हैं.  
 ये बूढ़ें, हां जीवन हैं.  
 (वैदिक काल से प्रयुक्त संस्कृत माधव-  
 वैसाव्य, शुक्र-नेट, शुचि-आषाढ, नभ-  
 सावन, नमस्य-भादो)

**अनिल किशोर सहाय**  
 ये बूढ़ें, हां जीवन हैं  
 'माधव' की उम्मा में बीता  
 स्वप्न, ह्रय, तन रीता-रीता.  
 'शुक' दिवस ने सुलसाया था.  
 'शुचि' आषा कुष्ठ हुलसाया था.  
 शुचि बीता तो नम आया  
 मेरे भीतर जो शक्ति है  
 वो शिव ही है  
 आदि, अनादि शिव !

**संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशवंत कुमारी**



पेरिस से स्वदेश लौटने पर स्टार रेसलर विनेश फोगाट का भव्य स्वागत

## मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूँ : विनेश फोगाट

भाषा। नयी दिल्ली

पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के 50 किग्रा भार वर्ग के फाइनल में पहुंचने के बावजूद अधिक वजन होने के कारण पदक नहीं जीत पाने वाली रत की स्टार पहलवान विनेश फोगाट का शनिवार को यहाँ इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक जैसे स्टार

खिलाड़ियों के अलावा पंचायत नेता भी विनेश का स्वागत करने के लिए पहुंचे थे। विनेश फूल मालाओं से लदी थीं। उन्होंने खुली जीप में सवार होकर लोगों का आभार व्यक्त किया। विनेश ने हाथ जोड़कर कहा, मैं पूरे देश का आभार व्यक्त करती हूँ। यह विशाल काफिला विनेश के साथ हरियाणा के बलाली गांव तक जाएगा। विनेश के आगमन के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले किए गए वजन में उनका वजन 100 ग्राम अधिक निकला था जिसके कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। विनेश ने संयुक्त रूप से रजत पदक दिलाने के लिए खेल पंचायत में अपील की थी जिसके कारण वह पेरिस में रुकी रही। खेल पंचायत ने उनकी अपील को खारिज कर दिया था। लंदन ओलंपिक के



कांस्य पदक विजेता निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग ने विनेश को चैंपियन करार दिया। यह दोनों एक ही उड़ान से दिल्ली पहुंचे थे। नारंग ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ खींची गई तस्वीर को एक्स पर पोस्ट किया।

वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी : गगन नारंग

गगन नारंग ने लिखा, वह खेल गांव में पहले दिन चैंपियन के रूप में पहुंची थी और वह हमेशा हमारी चैंपियन रहेगी। कुछ अवसरों पर करोड़ों लोगों को प्रेरित करने के लिए ओलंपिक पदक की जरूरत नहीं पड़ती। विनेश फोगाट आपने लोगों को प्रेरित किया है। आपके जूजे को सलाम। विनेश के भाई हरविंदर फोगाट ने कहा, विनेश स्वदेश लौट रही है। लोग यहां हवाई अड्डे पर उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे हैं। लोग हमारे गांव में भी उनका स्वागत करने के लिए इंतजार कर रहे हैं। लोग उनसे मिलने को लेकर उत्साहित हैं।



### ब्रीफ खबरें

#### वॉट्रोसोवा व कैम नॉरी अमेरिकी ओपन से हटे

न्यूयॉर्क। विंबलडन 2023 की चैंपियन मार्केटा वॉट्रोसोवा और कैम नॉरी चोटिल होने के कारण 26 अगस्त से शुरू होने वाली अमेरिकी ओपन टेनिस प्रतियोगिता से हट गए हैं। विश्व रैंकिंग में 18वें नंबर की खिलाड़ी वॉट्रोसोवा के हाथ में चोट लगी है जबकि नॉरी को बांह में समस्या है।

#### अदिति महिला स्कॉटिश ओपन में कट से चूकीं

इर्विन (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर अदिति अशोक दूसरे दौर में तीन ओपन 75 के लक्ष्य प्रदर्शन के साथ आईएसपीएस हांडा महिला स्कॉटिश ओपन टूर्नामेंट में कट हासिल करने में नाकाम रहीं। लेडीज यूरोपीय टूर पर पांच बार की विजेता अदिति ने पहले दौर में 81 का स्कोर बनाया था।

#### जीव जांबिया लीजेंड्स में 19वें स्थान पर

लुसाका (जांबिया)। भारत के जीव मिस्खा सिंह जांबिया गोल्फ लीजेंड्स के पहले दौर में पार 72 के स्कोर से संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर हैं। भारत में अगले हफ्ते लीजेंड्स टूर प्रतियोगिता की मेजबानी करने वाले जीव ने एक बड़ी और एक बोगी की जिससे उन्होंने पार का स्कोर बनाया। सामन खान ने पहले दौर में छह अंडर 66 के स्कोर के साथ पहली जीत दर्ज की और हैं।

#### लाहिड़ी लिव गोल्फ में 38वें स्थान पर

व्हाइट प्लेनर सिम्स (अमेरिका)। भारत के अनिर्वाण लाहिड़ी लिव गोल्फ ग्रीनबियर के शुरुआती दौर में पार 70 के स्कोर के साथ संयुक्त रूप से 38वें स्थान पर हैं। लाहिड़ी ने इस 54 होल की स्पर्धा के पहले दिन एक बोगी और एक बड़ी लगाईं। टेलीर गूच सात अंडर 63 के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर हैं।

#### विरोध-प्रदर्शन के कारण इंडस कप का मैच रद्द

कोलकाता। मोहन बागान और इस्ट बंगाल के बीच रविवार को यहां साल्ट लेक स्टेडियम में होने वाला इंडस कप मैच को शहर में मौजूदा अशांति के कारण रद्द कर दिया गया है। यह निर्णय कोलकाता पुलिस अधिकाधिकारियों और टूर्नामेंट के आयोजकों के बीच एक बैठक के बाद लिया गया।

पेरिस पैरालंपिक का आयोजन 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होगा

## पैरालंपिक के सभी खिलाड़ी पदक के दावेदार: झझड़िया

प्रमोद भगत का बाहर होना निराशाजनक

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया ने कहा कि डोपिंग नियमों के उल्लंघन के कारण पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत का भारतीय दल से बाहर होना निराशाजनक है, लेकिन इससे 28 अगस्त से शुरू होने वाले पैरालंपिक खेलों के लिए उनके 25 पदकों के लक्ष्य पर कोई असर नहीं पड़ेगा। पेरिस पैरालंपिक का आयोजन 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होगा। इसमें भारत के 84 खिलाड़ी 12 खेलों में पदक के लिए जोर लगायेंगे। टोक्यो खेलों के स्वर्ण पदक विजेता (पुरुष एकल एलएल तीन वर्ग) पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी प्रमोद भगत को बीडब्ल्यूएफ के डोपिंग निरोधक वेयरअबाउट (टिकाने का पता) नियम के उल्लंघन के कारण 18 महीने के लिये निलंबित कर दिया है। पेरिस पैरालंपिक के लिए भारतीय दल के विदाई समारोह के इतर झाझड़िया ने भाषा को दिये इंटरव्यू में प्रमोद के बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस तरह के मामले से निपटने की पूरी जिम्मेदारी खुद खिलाड़ी की होती है। उन्होंने कहा, देखिए, इस में कोई शक नहीं की प्रमोद भगत हमारे स्टार एथलीट और टोक्यो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक विजेता हैं लेकिन मैंने 25 पदक का जो लक्ष्य बनाया है, वह हमारे मौजूदा 84 खिलाड़ियों के दल से है। इसमें प्रमोद भगत शामिल नहीं हैं। बीडब्ल्यूएफ ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा था, बैडमिंटन विश्व महासंघ इसकी पुष्टि करता है कि भारत के टोक्यो 2020 पैरालंपिक चैंपियन प्रमोद भगत को 18 महीने के लिए निलंबित किया गया है और वह पेरिस पैरालंपिक नहीं खेलेंगे। इसमें कहा गया, एक मार्च 2024 को खेल पंचायत (सीएएस) डोपिंग निरोधक प्रभाग ने मौजूदा अशांति के डोपिंग निरोधक नियम के उल्लंघन का दोषी पाया। वह एक साल में तीन बार अपना टिकाना बताने में नाकाम रहे थे। 36 वर्ष के एस्पएल3 खिलाड़ी भगत ने सीएएस (खेल पंचायत) के



### पेरिस पैरालंपिक में भारत 12 खेलों में हिस्सा लेगा

नयी दिल्ली। भारत इस बार 12 खेलों में प्रतिस्पर्धा करेगा, जिसमें पैरा साइकिलिंग, पैरा नौकाचालन और दृष्टिबाधित जूडो देश की नई स्पर्धाएं होंगी। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) ने घोषणा की है कि यह भारत के पैरालंपिक खिलाड़ियों की बढ़ती विविधता और प्रतिभा को दर्शाता है। आंध्र प्रदेश के अरशद शेख पैरा साइकिलिंग में अपना पैरालंपिक पदार्पण करेंगे। उन्होंने एशियाई रोड पैरा साइकिलिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की एलीट व्यक्तिगत टाइम ट्रायल सीट 2 श्रेणी में रजत पदक जीतकर अपना कोटा हासिल किया था। आंध्र प्रदेश के कोणानापाले नारायण पैरा नौकाचालन में और हरियाणा की कोकिला कौशिकलाते दृष्टिबाधित जूडो में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।



लिफ्ट रवाना करने के दौरान की गईं। सुमित अंतिल टोक्यो 2020 पैरालंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद पुरुषों की एफ64 श्रेणी में मौजूदा भाला फेंक ओलंपिक चैंपियन हैं। वह दो बार के विश्व चैंपियन भी हैं और 25 वर्षीय एथलीट इस श्रेणी में विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं। सुमित ने पहली बार 2023 विश्व चैंपियनशिप में विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जहां उन्होंने 70.83 मीटर श्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने हांगकॉन्ग में एशियन पैरा गेम्स में 73.29 मीटर का श्रो फेंकते हुए स्वर्ण पदक जीतने के बाद अपने ही रिकॉर्ड को बेहतर किया था। दूसरी ओर, भाग्यश्री जाधव ने एशियन पैरा गेम्स

में एफ34 श्रेणी में महिलाओं की शॉट पुट में रजत पदक जीता। उन्होंने टोक्यो 2020 में भी प्रतिस्पर्धा की थी, जहां उन्होंने सातवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। उन्होंने मई में पैरा-एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की एफ34 शॉट पुट में भी रजत पदक जीता था। 84 एथलीटों के साथ, भारत पेरिस 2024 पैरालंपिक में अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है। टोक्यो 2020 पैरालंपिक में, भारत ने 54 एथलीट भेजे थे। भारतीय एथलीट पेरिस में पहली बार पैरा साइकिलिंग, पैरा रोइंग और ब्लाईंड जूडो जैसे खेलों में भी प्रतिस्पर्धा करेंगे।

अपील विभाग में इस फैसले को चुनौती दी थी, जो पिछले महीने खारिज हो गईं। झाझड़िया ने कहा, प्रमोद को देश के लिए उपलब्धि काफी बड़ी है

लेकिन खेल के जो नियम-कानून हैं उन्हें खिलाड़ी को किसी भी हालत में पूरा करना होता है। उनकी तरफ से कहीं ना कहीं कमी नहीं है। पैरालंपिक खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत

पदक जीतने वाले झाझड़िया ने कहा, प्रमोद का भारतीय दल में नहीं होना एक झटका है। अबकी बार 25 पर लक्ष्य पर उन्होंने कहा, मैंने यह लक्ष्य कुछ परख कर बताया है।

सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट : अल्कराज ने रैकेट तोड़ा

## हार के बाद रैकेट पर निकाला गुस्सा

एजेंसी। सिनसिनाटी

चार बार के ग्रैंड स्लैम विजेता कार्लोस अल्कराज ने सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में गेल मोनफिल्स से हारने के बाद अपना गुस्सा रैकेट पर निकाला और उसे कई बार नीचे पटककर तोड़ डाला। मोनफिल्स ने तीन सेट तक चले इस कड़े मुकाबले में 4-6, 7-6 (7-5), 6-4 से जीत दर्ज की। बारिश के कारण यह मैच गुरुवार को पूरा नहीं हो पाया था। दूसरी वरीयता प्राप्त अल्कराज ने मैच के बाद कहा, मुझे ऐसा लगा जैसे यह मेरे करियर का अब तक का सबसे खराब मैच था। मैंने वास्तव में बहुत अच्छी तैयारी कर रखी थी और मैं अच्छा महसूस कर रहा था, लेकिन मैं उस तरह का खेल नहीं दिखा पाया। मैं इस मैच को भूल जाना चाहता हूँ और अमेरिकी ओपन में अच्छा प्रदर्शन करना चाहता हूँ। यह टूर्नामेंट 26 अगस्त से शुरू होने वाले



अमेरिकी ओपन की तैयारी के खिलासिले में महत्वपूर्ण माना जाता है। मोनफिल्स का सफर भी लंबा नहीं चला और शुक्रवार को बाद में खेले गए मैच में वह होल्डर रूण से 3-6, 6-3, 6-4 से हार गए। महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने मार्ता कोस्ट्युक पर 6-2, 6-2 की शानदार जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

आर्यना सबालेका भी एलिना स्विटोलिना पर 7-5, 6-2 से जीत के साथ आगे बढ़ने में सफल रही लेकिन फ्रेंच ओपन और विंबलडन में उपविजेता रही जैस्मीन पाओलिनी को मीरा एंड्रीवा से 3-6, 6-3, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। एक अन्य मैच में अनास्तासिया पाव्लूचेनकोवा ने ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता इगा क्विनेवन को 7-5, 6-1 से हराया।

## नीरज चोपड़ा ने लुसाने डाइमंड लीग में हिस्सा लेने की पुष्टि की

भाषा। नयी दिल्ली

भारत के दोहरे ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने शनिवार को 22 अगस्त को लुसाने में होने वाली आगामी डाइमंड लीग प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की पुष्टि की। लंबे समय से ग्रोइन की चोट से परेशान नीरज ने हाल में संपन्न पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीता था। नीरज ने वृद्धाल बातचीत के दौरान कहा, मैंने अंततः 22 अगस्त को होने वाली लुसाने डाइमंड लीग में हिस्सा लेने का फैसला किया है। आठ अगस्त को ओलंपिक के भाला फेंक फाइनल के बाद कुछ दिन व्यस्त रहने के बाद नीरज ने स्विटजरलैंड में टूर्निंग शुरू कर दी है और चोट के बावजूद सत्र को बेहतर तरीके से समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बुसेस में 13-14 सितंबर को होने वाली सत्र डाइमंड लीग के बाद नीरज अपनी ग्रोइन चोट को लेकर में डॉक्टरों से परामर्श लेंगे और सर्जरी सबसे संभावित विकल्प है।



पेरिस खेलों में 90 मीटर के अपने लक्ष्य से मामूली अंतर से चूकने के बाद, दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि उन्होंने इस लक्ष्य को अब भगवान के भरोसे छोड़ दिया है। नीरज ने पेरिस ओलंपिक में 89.45 मीटर के श्रो के

### दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज पर 239 रन की बढ़त बनाई

प्रोविडेंस। एडेन मार्कम और काइल वेरेन के अर्धशतकों की मदद से दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन 239 रन की बढ़त हासिल कर ली। अपनी पहली पारी में 160 रन बनाए जाने वाले दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में पांच विकेट पर 223 रन बनाए हैं। वेस्टइंडीज की टीम अपनी पहली पारी में 144 रन पर आउट हो गई थी। मार्कम ने 50 रन बनाए जबकि वेरेन 51 रन बनाकर खेल रहे हैं। उनके साथ दूसरे छोर पर वियान मुल्डर 34 रन बनाकर खेल रहे हैं। इससे पहले वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर ने नाबाद 54 रन की पारी खेली। उन्होंने शम्पर जोसेफ (25) के साथ दसवें विकेट के लिए 40 रन की साझेदारी करके वेस्टइंडीज को दक्षिण अफ्रीका के स्कोर के करीब पहुंचाया। प्रोविडेंस स्टेडियम में शुरुआती दिन 17 और दूसरे दिन आठ विकेट गिरे। वियान मुल्डर ने दक्षिण अफ्रीका के लिए चार विकेट लिए। वेस्टइंडीज की तरफ से पहली पारी में तीन विकेट लेने वाले जेडेन सील्स ने दूसरी पारी में अभी तक 52 रन देकर तीन विकेट लिए हैं। इन दोनों टीम के बीच त्रिनिदाद में खेला गया पहला मैच बारिश से प्रभावित रहा था और ड्रा समाप्त हुआ था। दोनों टीमों के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की श्रृंखला खेली जाएगी।

### साक्षात्कार

कोच हरेंद्र की महिला हॉकी टीम को सलाह, टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने को भूलें

## अतीत को भूलकर भविष्य के बारे में सोचो, आगे बढ़ो : हरेंद्र सिंह

भाषा। नयी दिल्ली

अतीत को भुलाकर भविष्य के बारे में सोचो, लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 को तैयारी में जुटे भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने अपनी टीम को यही सलाह दी है। टोक्यो ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भारतीय महिला हॉकी टीम पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी, जहां पुरुष टीम ने लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता। हरेंद्र ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा, जब मैं इस टीम के साथ फिर जुड़ा तो हमने इस पर विस्तार से बात की। मैं हमेशा सकारात्मक चीजें देखता हूँ और मेरा मानना है कि उनके लिये कुछ बेहतर



भविष्य के गर्भ में छिपा है। लड़कियां टूटी हुई थीं और पूरा देश उनके ओलंपिक नहीं खेल पाने से दुखी था, लेकिन मैंने उनसे कहा कि कुछ बढ़ा

आपका इंतजार कर रहा है। इस साल अप्रैल में भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच बनने के बाद अपने पहले इंटरव्यू में उन्होंने कहा, मैंने उनसे

कहा कि अतीत को भूल जाओ और भविष्य के बारे में सोचो। मैंने इस मिशन को रोड टू एलए 2028 नाम दिया है और मुझे लगता है कि यह

सफर खूबसूरत होगा। इससे पहले 2017-18 में भारतीय महिला टीम के कोच रहे हरेंद्र ने कहा कि उनका लक्ष्य 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक है। उन्होंने कहा, भारत ने हॉकी में पहला ओलंपिक पदक 1928 में लॉस एंजेलिस में ही जीता था जब ध्यान चंद जी उस टीम का हिस्सा थे। इससे बेहतर क्या होगा कि हम सौ साल बाद उसी स्थान पर ओलंपिक पदक जीतें। यह पूछने पर कि वह टीम में क्या बदलाव लाना चाहते हैं, उन्होंने कहा, पिछले चार साल में जो अच्छा काम हुआ है, मैं उसे नहीं बदलूंगा। इसके बाद एक एक करके देखेंगे कि कहां गलतियां हुई हैं। मैंने खिलाड़ियों से कहा है कि प्रो लीग में अच्छे नतीजे नहीं मिल

सकते हैं, क्योंकि हमें एलए 2028 की नींव तैयार करनी है। यह पूछने पर कि अमेरिका पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच के रूप में अच्छी तनख्वाह छोड़कर उन्होंने लौटने का फैसला क्यों किया, उन्होंने कहा, मैं अपने देश लौटकर और यहां महिला सर्वाधिकारण के लिए अपना योगदान देकर खुश हूँ, मुझे लगता है कि भारतीय हॉकी को सेवा का यह सुनहरा मौका है। उन्होंने कहा, मैंने अमेरिका में कोचिंग के दौरान बहुत कुछ सीखा। रियो ओलंपिक के बाद हमें समझ में आया कि हम नहीं जागे तो बहुत देर हो जायेगी। हमारे पास भारत में हॉकी में इतनी प्रतिभा और बेहतरीन बुनियादी ढांचा है, जिसमें मुझे प्रेरित किया।

## खेलों की शक्ति का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए: यूनस

भाषा। ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनस ने शनिवार को कहा कि खेलों की शक्ति का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों के लिए किया जाना चाहिए, जैसा कि पेरिस ओलंपिक 2024 के दौरान किया गया था। पेरिस 2024 और उसके साझेदारों ने ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों को आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरण की दृष्टि से एक जिम्मेदार प्रतियोगिता बनाने का निर्णय लिया है। नोबेल पुरस्कार विजेता यूनस ने कहा, मैं खेलों की शक्ति का उपयोग सामाजिक उद्देश्यों के लिए करने के लिए प्रोत्साहित करता रहा हूँ, मुझे खुशी है कि पेरिस ओलंपिक 2024 ने इस पर ध्यान दिया। पेरिस ओलंपिक 2024 के



साथ हमने ओलंपिक की एक नई अवधारणा बनाई- सामाजिक व्यवसाय ओलंपिक। यूनस (84 साल) ने ये टिप्पणियां तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट को संबोधित करते हुए की जिसे भारत ने वर्चुअल रूप से आयोजित किया। जब ढाका में छात्रों के नेतृत्व में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण शंख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार गिर गई तब यूनस पेरिस में थे।

ब्रीफ खबरें

**25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या** बिहारशरीफ । नालंदा जिले के राजगीर पर्यटक स्थल वनगंगा देवीस्थान के समीप घूमने आये 25 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गयी. घटना शुक्रवार की रात आठ बजे की बताई जा रही है. मृतक की पहचान भोजपुर के आरा थाना क्षेत्र अंतर्गत आरा निवासी मंजित के रूप में की गयी है. राजगीर अनुमंडल के पुलिस उपाधीक्षक प्रदीप कुमार ने बताया कि युवक दोस्तों के साथ 15 अगस्त को राजगीर घूमने आया था और हर जगह की फोटो खिंचवाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया था.

**चोरी गई 10 कंप्यूटर बरामद, 2 गिरफ्तार** नवादा । जिले के धमनी हाई स्कूल में चोरी के मामले का पर्दाफाश कर दिया गया है. पुलिस ने चोरी गई 10 कंप्यूटर, यूपीएस तथा सीपीयू को शनिवार को बरामद कर ली है. साथ ही दो चोरों की गिरफ्तारी भी की गई है. चोरों के पास से एक कट्टा, अपाची बाइक तथा जमुई जिले से चोरी की गई एक पिकअप भी बरामद की गई है. तीन ब्लेड, एक सुरा भी मिला है. गिरफ्तार आरोपितों ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है. नवादा पुलिस द्वारा जारी विज्ञापन में बताया गया है कि कोआकोल थाना कांड सं. 279/24 का उद्धान कर लिया गया है.

**तीन लाख भारतीय करेंसी के साथ दो गिरफ्तार** अररिया : एसएसबी 56वें बटालियन ने बथनाहा अंतर्गत पथरदेवा बीओपी के जवानों ने भारत-नेपाल सीमा के समीप दो युवक को तीन लाख भारतीय मुद्रा के साथ गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार दोनों युवक नेपाल की ओर से एक चार पहिया वाहन पर सवार होकर भारतीय क्षेत्र में आ रहे थे. इस दौरान सोनापुर पंचायत के कोचगामा गांव के पास एसएसबी ने जब वाहन रोककर जांच की तो सीट के पीछे दूध में रखे पॉलिथिन में तीन लाख भारतीय करेंसी बरामद हुआ. एसएसबी ने बरामद राशि को जन्वी-सूची बनाकर बथनाहा थाना के सौंप दिया.

**आईएमएफ के साथ सहयोग बढ़ेगा**

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आईएमएफ की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ के साथ बैठक की. इस दौरान सीतारमण ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए और अधिक तरीके तलाशने को तैयार है. बैठक में गोपीनाथ ने राजकोषीय समेकन के लिए सरकार के उपायों के लिए वित्त मंत्री को बधाई दी. वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वित्त मंत्री ने कहा कि भारत आईएमएफ के साथ अपने संबंधों और निरंतर जुड़ाव को बहुत महत्व देता है.

**कच्चे पेट्रोलियम पर अप्रत्याशित कर घरेलू**

नयी दिल्ली : सरकार ने घरेलू स्तर पर उन्पादित कच्चे तेल पर अप्रत्याशित कर को 4,600 रुपये प्रति टन से घटाकर 2,100 रुपये प्रति टन कर दिया है. यह कर शनिवार से प्रभावी हो गया है. यह कर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में लगाया जाता है. डीजल, पेट्रोल और जेट ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एसएंडई को शुल्क पर बरकरार रखा गया है. आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया कि नई दरें 17 अगस्त दिन शनिवार से प्रभावी हो गई हैं. भारत ने पहली बार एक जुलाई, 2022 को अप्रत्याशित लाभ कर लगाया, जिससे वह उन देशों में शामिल हो गया जो ऊर्जा कंपनियों के असाधारण लाभ पर कर लगाते हैं.

**भारत ने पोलैंड को अंजीर के रस की निर्यात की**

नयी दिल्ली : भारत ने पोलैंड से अनूटै कृषि उत्पादों का निर्यात बढ़ाने की अपनी पहल के तहत अंजीर के रस की पहली खेप पोलैंड को निर्यात की है. वाणिज्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने जीआई-टैग वाले पुर्दर अंजीर से बने भारत के रस के पोलैंड को निर्यात की सुविधा प्रदान की. जीआई टैग उस वस्तु को कानूनी सुरक्षा प्रदान करता है, दूसरों द्वारा अनधिकृत उपयोग को रोकता है और उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा मिलेगी.

**मुख्यमंत्री ने राजगीर खेल परिसर का किया निरीक्षण, बोले निर्माण कार्य तेजी से पूरा करें**

संवाददाता । पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राजगीर खेल परिसर का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने इंडोर और आउटडोर स्टेडियम के विभिन्न भागों का निरीक्षण किया. उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्पोर्ट्स एकेडमी सह निर्माणाधीन स्टेडियम का भी जायजा लिया. निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बचे हुए निर्माण कार्यों को तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि इस खेल अकादमी में विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिये गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्यों को पूर्ण करें. यह अकादमी देश के लिए अनेखी और अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगी. यहां कई खेलों के ट्रेनिंग सेंटर के अलावा विश्वस्तरीय खेल पुस्तकालय भी होगा. इन प्रयासों से राज्य में खेल का वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी साथ ही प्रतिभावान युवकों को अवसर भी मिलेगा. उन्होंने कहा कि राजगीर ऐतिहासिक स्थल है. यहां सभी प्रकार की सुविधाओं का इंतजाम किया गया है. बड़ी संख्या में यहां पर्यटक आते हैं. राजगीर अब पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है. निरीक्षण के दौरान आर्य समाज के श्री श्रवण कुमार, सांसद कौशलेंद्र कुमार, विधायक



**सीएम नीतीश कुमार ने दी रक्षाबंधन की सौगात**

पटना के सिटी बस में फ्री में यात्रा करेगी महिलाएं

संवाददाता । पटना

रक्षाबंधन को लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने महिलाओं को बड़ा गिफ्ट दिया है. 19 अगस्त को पटना में चलने वाली सिटी सर्विस बस में यात्रा करने के लिए महिलाओं को पैसे नहीं देने होंगे. यानी राखी के दिन महिलाएं बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सिटी सर्विस की बसों में नि:शुल्क यात्रा कर सकेंगी. उन्हें किसी तरह का कोई पैसा नहीं देना होगा. बिहार सरकार में परिवहन विभाग की मंत्री शौला कुमारी की ओर से यह निर्देश

जारी किया गया. पटना शहरी क्षेत्रों में रक्षाबंधन पर महिलाओं एवं छात्राओं को नि: शुल्क यात्रा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है. इधर, परिवहन विभाग के सचिव और सीनियर आईएएस अधिकारी सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा राजधानी में कुल 135 सिटी सर्विस की बसों का परिचालन किया जा रहा है. इसमें 25 इलेक्ट्रिक बसें हैं. बाकी सारी बसें सोपनजी से परिचालित हैं. इन सभी सभों में रक्षाबंधन के दिन महिलाओं एवं छात्राओं के लिए

वस सेवा पूरी तरह मुफ्त रहेगी. अगर किसी तरह का पैसा मांगा जाता है कि फौरन विभाग को इसकी शिकायत करें. मंत्री के निर्देश के बाद बिहार राज्य पथ परिवहन निगम द्वारा संचालित बसों में यात्रा करने वाली महिलाएं और छात्राओं को फ्री बस की सुविधा सुबह 6:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक मिलेगी. पटना नगर बस सेवा के मार्ग संख्या 111, 111A, 222, 444, 555, 666, 888, 888A 100, 200, 999 और पाटलिपुत्र बस टर्मिनल से परिचालित बसों में यह सुविधा रक्षाबंधन के दिन लागू रहेगी.

**बिहार के तीन जिलों में भारी बारिश, अलर्ट जारी**

पटना : बिहार के लोगों को उमस भरी गर्मी से निजात मिल सकती है मौसम विभाग ने शनिवार को तीन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट और नौ जिलों में आकाशीय बिजली गिरने की आशंका के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है. बिहार के मौसम की चाल काफी धीमी हो गयी है. वहीं अन्य राज्यों में भारी बारिश का दौर जारी है. मौसम विभाग ने केवल तीन जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग ने किशनगंज, रोहतास और कैमूर में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में इमामझम बारिश के साथ आकाशीय बिजली गिरने की आशंका जताई है.

**24 अगस्त को आएका फैसला**



**लैंड फॉर जॉब का मामला**

पटना । बिहार लैंड फॉर जॉब स्कैम मामले में दिल्ली की राज एवैन्च्यु कोर्ट ने लालू यादव और पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव सहित अन्य आरोपियों को समन भेजकर पर फैसला सुर्क्षित रखा है. राज एवैन्च्यु कोर्ट अब इस फैसले को 24 अगस्त को सुनाएगा. बता दें कि इंडी बालू 6 अगस्त को सर्जनीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की गई थी. इस चार्जशीट में लालू, तेजस्वी समेत 11

**तीन गिरफ्तार, पैसे के लेन-देन को लेकर हुई थी हत्या**

रोनक हत्याकांड का खुलासा

संवाददाता । भागलपुर

जिले के ततारपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत बहुचर्चित दवा व्यवसायी रौनक केडिया हत्याकांड का पुलिस ने सफल उद्देदन करते हुए घटना को रोककर जांच की तो सीट के पीछे दूध में रखे पॉलिथिन में तीन लाख भारतीय करेंसी बरामद हुआ. एसएसबी ने बरामद राशि को जन्वी-सूची बनाकर बथनाहा थाना के सौंप दिया.

वार्ता के दौरान दी. एसएसपी ने बताया कि बीते 07 अगस्त की रात्रि में ततारपुर थाना अन्तर्गत काजपत्रलक के रहने वाले रौनक केडिया को अज्ञात अपराधकर्मियों के द्वारा गोली मारकर हत्या कर दी गई थी. एफएसएल टीम एवं वरीय पदाधिकारियों के द्वारा तत्काल घटनास्थल का निरीक्षण किया गया. जहां से 5 गोली एवं 1 पिस्टल जब्त किया गया. घटना का उद्देदन एवं अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए राज पुलिस अधीक्षक नगर के निगरानी एवं अजय कुमार चौधरी पुलिस उपाधीक्षक नगर के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित की गई थी.

**दुष्कर्म मामले में आरोपी के घर चला बुलडोजर**

मुजफ्फरपुर : मुजफ्फरपुर जिले के पारू थाना क्षेत्र में बीते दिनों नाबालिग लड़की के साथ निर्मम तरीके से हत्या मामले में पुलिसिया कार्रवाई तेज हुई है. अब तक बीते 24 घंटे पूरे हुए इश्तहार को चस्पा करने के बाद मामले में पुलिस ने शनिवार दोपहर बाद कार्रवाई करते हुए कांड में फरार चल रहे मुख्य आरोपी के घर बुलडोजर चलवा दिया, इसके साथ ही कुर्की की कार्रवाई भी की गई है. इस पूरे मामले को लेकर एसडीपीओ सरैया कुमार चंदन ने बताया कि बीते दिनों पारू थाना क्षेत्र में एक नाबालिग के साथ जघन्य अपराध किया गया था. इस मामले में गांव के रहने वाले संजय अपने अन्य सहयोगी के साथ फरार चल रहा है.

**नवादा में युवक की पीट कर हत्या, नदी किनारे मिला शव**

संवाददाता । नवादा

नवादा में नदी के किनारे शनिवार को एक युवक का शव मिला है. मृतक के परिजन ने युवक के हत्या का आरोप लगाया है. नगर थाना क्षेत्र के इलाके में नदी किनारे शनिवार को शव पुलिस ने बरामद किया है और कहा जा रहा है कि पीट-पीटकर युवक की हत्या की गई है. मृतक शिवर के बड़ी दरगाह मोहल्ला निवासी मो. नुरी आलम खलीफा के पुत्र मोहम्मद आजाद उर्फ छोटू हैं. हत्या की जानकारी मिलते ही नवादा सदर डीएसपीओ अनेोज कुमार



घटनास्थल पर पहुंचे. शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है. युवक के शरीर पर जखम के कई निशान भी पाए गए हैं. घटना के बाद मृतक के परिजन में कोहराम मच गया है. फिलहाल पुलिस पूरे मामले के जांच में जुट गई है.

**बालू खनन करने वाले 54 अवैध कारोबारी व माफिया गिरफ्तार**

संवाददाता । पटना

पुलिस ने शुक्रवार देर रात बिहटा के अमनाबाद में बालू माफिया के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया. इस दौरान पुलिस ने सोन नदी में अवैध खनन करते हुए बालू खनन, भंडारण एवं परिवहन करने वाले 54 अवैध कारोबारी एवं माफियाओं को गिरफ्तार किया. इसके साथ ही बालू लदे पांच नाव को भी जप्त किया. जिस पर 45 सौ सीएनटी बालू लदा था. वेस्ट एसपी अभिनव धीमान ने बताया कि लगातार बालू के अवैध खनन और रंगदारी की सूचना मिल

रही थी. जिसे लेकर दो टीम गठित कर भोजपुर सोन नदी से बिहटा दिखारा क्षेत्रों में करवाई की गई. जिसमें बालू के अवैध खनन के घंघे में शामिल कुल 54 लोगों को गिरफ्तार किया गया. इसके साथ ही पांच नाव को बरामद किया गए, जिसमें तीन नाव ऐसे हैं जिसमें सक्शन लगाने शरीरों के जरिए बड़े-बड़े पाइप के द्वारा गंगा नदी से नावव तरीके से अवैध बालू निकाला जा रहा था. गिरफ्तार 54 लोग बालू के अवैध खनन में शामिल बालू खनन माफिया और कारोबारी सिपाही राय के गुर्गें हैं.

**आईएमएफ के साथ सहयोग बढ़ेगा**

नयी दिल्ली : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को आईएमएफ की प्रथम उप प्रबंध निदेशक गीता गोपीनाथ के साथ बैठक की. इस दौरान सीतारमण ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ अपने सहयोग को बढ़ाने के लिए और अधिक तरीके तलाशने को तैयार है. बैठक में गोपीनाथ ने राजकोषीय समेकन के लिए सरकार के उपायों के लिए वित्त मंत्री को बधाई दी. वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, वित्त मंत्री ने कहा कि भारत आईएमएफ के साथ अपने संबंधों और निरंतर जुड़ाव को बहुत महत्व देता है.

**रक्षाबंधन के पहले महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी कीमत**

संवाददाता । नई दिल्ली

रक्षाबंधन के पहले शनिवार को घरेलू सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है. सोने की कीमत में शनिवार को 110 रुपये से लेकर 130 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आई है. इसी तरह चांदी भी शनिवार को 1,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया है. शनिवार की तेजी के कारण देश के ज्यदातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 71,780 रुपये से लेकर 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है. इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 65,8100 रुपये से लेकर 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है. सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये

चमकीली धातु 84,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है. देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना शनिवार को 71,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 65,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है. इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 65,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है. देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी शनिवार को सोने की कीमत में तेजी आई है. इन तीनों राज्यों की राजधानियों बंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 71,630 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है.

**कारोबार**

**क्रिटिकल मिनरल्स का एक्सपोर्ट किया बंद**

भाषा । नयी दिल्ली

खनिज पदार्थ अगर राजस्व का स्रोत होता है तो किसी देश की ताकत का हिस्सा भी होता है. यही वजह है कि हर विकसित देशों की नजर दुनिया के उन देशों पर होती हैं, जहां खनिज पदार्थ पाए जाते हैं.



**बड़ेगी मुश्किल**

- एंटीमनी का इस्तेमाल सैन्य साजोसामान बनाने में होता है
- एंटीमनी से गोला-बारूद व परमाणु हथियार बनाते है

स्ट्रैटजिक मेटल है जिसका इस्तेमाल कई तरह के सैन्य साजोसामान बनाने में होता है. इनमें गोला-बारूद, इन्फ्रारेट मिसाइल, परमाणु हथियार, नाइट विजन गोगल्स, बैटरी और फ ोटो ग्रेफिटिक इन्वियरमेंट बनाने में होता है. चीन की सरकार ने एक बयान में कहा कि देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों तथा अप्रसार के अपने अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए एंटीमनी के एक्सपोर्ट पर पाबंदियां

लगाई जा रही हैं. चीन का कहना है कि यह पाबंदी किसी खास देश या रीजन के लिए नहीं है. लेकिन जानकारों का कहना है कि यह चीन की नई चाल है. एंटीमनी को सप्लाई बंद होने से अमेरिका और यूरोपीय देशों की सेनाओं पर सबसे ज्यादा असर होगा. चीन ने 15 सितंबर से छह तरह के एंटीमनी के प्रॉडक्ट्स के एक्सपोर्ट पर पाबंदी लगाई है. इनमें सबसे देशों से इस्क अयस्क का आयात करता है. बता दें

**हाल के वर्षों में भारत ने काफी उन्नति की है : एसोचैम महासचिव**

एजेंसियां । मुंबई

उद्योग मंडल एसोचैम के महासचिव दीपक सूद ने कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान और दर्शन विकसित राष्ट्र दिशा में मार्गदर्शन बन सकता है. उन्होंने शुक्रवार देर शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर एक पुस्तक के विशेष विमोचन

समारोह में कहा कि हाल के वर्षों में भारत ने जो वृद्धि और उन्नति देखी है, वह देश के नेतृत्व का परिणाम है. सूद ने कहा कि इस पुस्तक ने हमें बताया है कि हमने अपने लक्ष्य की ओर कितनी प्रगति की है. उन्होंने कहा, हमें प्राचीन ज्ञान और दर्शन का आशीर्वाद प्राप्त है, जो विकसित राष्ट्र की दिशा में हमारा मार्गदर्शक प्रकाश बन

सकता है. अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय के पूर्व प्राध्यापक और इस समय क्षमता निर्माण आयोग में सदस्य (मानव संसाधन) आर बालासुब्रमण्यम की किताब 'पावर बिदिन: द लीडरशिप लिगेंसी ऑफ प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी' भारत के सभ्यतागत ज्ञान को दर्शाती है.

**जीएसटी काउंसिल से रियल एस्टेट डेवलपर्स को मिल सकती है राहत**

**ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में हो सकता है फैसला**

एजेंसियां । नई दिल्ली

जीएसटी काउंसिल को 9 सितंबर को होने वाली बैठक में रियल एस्टेट डेवलपर्स को राहत मिलने के संकेत मिल रहे हैं. इस बैठक में जमीन के सौदों में डेवलपमेंट राइट्स पर लगने वाले 18 प्रतिशत जीएसटी का विवाद भी सुलझ सकता है. अगले सप्ताह 22 अगस्त को रियल एस्टेट से संबंधित फैसला लेने के लिए गठित ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (जीओएम) की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा करके ठोस प्रस्ताव तैयार किया जा सकता है. जानकारों के मुताबिक 22 अगस्त को ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स की बैठक में इस



मुद्दे पर चर्चा होने के आसार हैं. रियल एस्टेट डेवलपर्स लंबे समय से इस मुद्दे को लेकर सरकार के सामने अपना पक्ष रख रहे हैं. डेवलपर्स का कहना है कि जमीन के सौदों में ज्वाइंट डेवलपमेंट

**खास बातें**

- 18 प्रतिशत जीएसटी का विवाद भी सुलझ सकता है
- रियल एस्टेट डेवलपर्स अपना पक्ष रखेंगे

है, जिसकी वजह से रियल एस्टेट सेक्टर के डेवलपर्स पर नेगेटिव असर भी पड़ता है. मौजूदा नियमों के मुताबिक विकसित होने योग्य भूमि (डेवलपेबल लैंड) की खरीद-बिक्री पर ही जीएसटी नहीं लगता है लेकिन जमीन के विकास के लिए

**भंडारण क्षेत्र की मांग 77 प्रतिशत गिरी : वेस्टियन**

एजेंसियां । नयी दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली में इस वर्ष जनवरी-जून के दौरान भंडारण (वेयरहाउसिंग) और लॉजिस्टिक्स स्थानों की पट्टा गतिविधियों में 77 प्रतिशत की गिरावट देखी गई. रियल एस्टेट परामर्श कंपनी वेस्टियन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इस दौरान चेन्नई में मांग में तीव्र गुना हो गई. जनवरी-जून, 2024 के लिए वेस्टियन की नवीनतम वेयरहाउसिंग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, इस वर्ष की पहली छमाही के दौरान



**पेज एक का शेष**

वे डोलत रस आपने... सीसीसी पर भी ऐसी ही कोई रणनीति बन सकती है. संभव यह है कि भाजपा सीसीसी को राज्यवार लागू कराने की सोच रही हो. जैसे उत्तराखंड में यह लागू हो गया है, वैसे ही उसके शासनवाले दूसरे राज्य भी लागू करें और दबाव इतना बढ़े कि संसद में भी अनुकूल माहौल बन जाये. लेकिन यदि भाजपा अपने एजेंडे पर ऐसे ही आगे चलती रहेगी तो साथियों से कब तक निभेगी. रहीम ने लिखा है- "कह रहीम कैसे निभें केर बेर को संग, वे डोलत इस आपने उनके फाटत अंग". देखा है कि लाल किले से सीसीसी पर प्रधानमंत्री के संकल्प का क्या होता है और राजनीति कोई करवट लेती है या नहीं. अपने वैचारिक, सैद्धांतिक और कुविदगी को विदीर्ण होता देख एनडीए के घटक दल कब तक सहनशील बने रहेंगे. आखिर यह कब तक चलेगा कि भाजपा अपने एजेंडे लागू करती रहे और साथी दल अपना मूल चरित्र छोड़कर हां में हां मिलाते रहेंगे.

## ब्रीफ खबरें

## बंदूकधारियों ने 20 छात्रों का किया अपहरण

अबुजा। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य क्षेत्र में बंदूकधारियों ने एक विश्वविद्यालय के छात्रों के वाहनों पर घात लगाकर हमला कर कम से कम 20 छात्रों का अपहरण कर लिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बेन्यु राज्य पुलिस प्रवक्ता कैथरीन एनेन ने बताया कि छात्र जब मेडिकल छात्रों के एक सम्मेलन में शामिल होने के लिए दक्षिण की ओर जा रहे थे, तभी गुरुवार शाम को बेन्यु में उन पर घात लगाकर हमला किया गया। यह हमला बेन्यु ओटुकुपो मार्ग पर हुआ, जहां अपहरण को घटनाएं अक्सर होती रहती हैं। उत्तरी नाइजीरिया के कुछ हिस्सों में अपहरण की इस तरह की घटनाएं आम हैं। दर्जनों सशस्त्र समूह सीमित सुरक्षा व्यवस्था का फायदा उठाकर गांवों और प्रमुख सड़कों पर हमले करते हैं।

## एंबियंस मॉल को बम से उड़ाने की धमकी

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एंबियंस मॉल को शनिवार को तब खाली करा लिया गया जब एक ईमेल में दावा किया गया कि इसके परिसर में बम रखा है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बम निष्क्रिय करने वाली टीम और श्वान दस्ते मौके पर हैं तथा तलाशी अभियान जारी है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एंबियंस मॉल प्रबंधन को सुबह 9.27 बजे बम की धमकी वाला ईमेल मिला। हिडेनबोन्स10ए1एट 20 ऑफ जीमेल डॉट कॉम से भेजे गए इस ईमेल में लिखा है, मैंने इमारत में बम लगाए हैं। इमारत के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा, आग में से कोई भी बच नहीं पाएगा। आप मौत के रकबादार हैं।

## सांप्रदायिक हिंसा के बाद इंटरनेट सेवा बंद

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा अपने सहपाठी को चाकू चोटने के बाद पैदा हुए सांप्रदायिक तनाव के बीच जिले के कई इलाकों में शुक्रवार रात से 24 घंटे के लिए मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी गईं। उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल में आगामी आदेश तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। पुलिस ने बताया कि हमले में घायल छात्र का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया गया है। दोनों छात्र नारनालिंग हैं। उदयपुर के जिलाधिकारी अरविंद पोसवाल ने बताया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए उदयपुर शहर और उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल शनिवार से अगले आदेश तक बंद रहेंगे।

## विद्रोहियों के हमले में 16 ग्रामीणों की मौत

किन्नासा। उत्तर-पूर्वी कांगो में इस्लामिक स्टेट समूह से संबद्ध आतंकवादियों के हमलों में कम से कम 16 ग्रामीणों की मौत हो गई और 20 अन्य का अपहरण कर लिया गया। एक स्थानीय नागरिक समाज समूह ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। न्यू सिविल सोसायटी ऑफ कांगो के समन्वयक जॉन वुल्फेरियो ने बताया कि 'एलीड डेमोक्रेटिक फोर्सेस' के हमलावरों ने इटुरी प्रांत के मम्बासा क्षेत्र में बुधवार और शुक्रवार के बीच स्थानीय लोगों पर उस समय हमले किए, जब वे अपने खेतों में काम कर रहे थे। उन्होंने बताया, मृतकों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि जो 20 अन्य लोग अपहृत किए गए हैं, उनकी कोई जानकारी नहीं है। अपहृत किए गए लोगों में एक अधिकारी गिल्बर्ट शिवमवेदा की मां और बहन भी शामिल हैं।

## हॉलीवुड के संगीतकार ग्रेग किहन का निधन

सैन फ्रांसिस्को। अस्सी के दशक के लोकप्रिय गीतों 'जेओपाडी' और 'द ब्रेकअप सॉन्ग' के लिए मशहूर 'रॉक एंड रोल' संगीतकार ग्रेग किहन का निधन हो गया है। वह 75 वर्ष के थे। किहन की वेबसाइट पर जारी एक बयान में उनकी प्रबंधन टीम ने बताया कि संगीतकार का अल्जाइमर बीमारी से मंगलवार को निधन हो गया। बाल्टीमोर में 10 जुलाई 1949 को जन्मे किहन 1970 के दशक में सैन फ्रांसिस्को चले गए थे जिसके बाद उन्होंने 'बेसकॉर्न रिर्कोर्ड्स' के साथ अनुबंध किया। ग्रेग किहन बैंड को पहली सफलता 1981 में 'द ब्रेकअप सॉन्ग' से मिली। उन्होंने कई उपन्यास एवं लघु कथाएं भी लिखीं।

## पीएम मोदी ने कहा, आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद गंभीर खतरा

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को विकासशील देशों में, विशेषकर खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्रों में वैश्विक अनिश्चितताओं के प्रभावों पर चिंता व्यक्त की। मोदी ने तीसरे वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन में अपने शुरुआती भाषण में इसमें भाग ले रहे देशों को डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा क्षेत्र समेत विभिन्न अहम क्षेत्रों में पूर्ण समर्थन देने की भारत की अटूट प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

भारत ने डिजिटल रूप से इस सम्मेलन की मेजबानी की। प्रधानमंत्री ने कहा, आज हम ऐसे वक्त में बैठक कर रहे हैं,



जब चारों ओर अनिश्चितता का माहौल है। दुनिया अब भी पूरी तरह से कोविड-19 के प्रभाव से बाहर नहीं आयी है। दूसरी ओर, युद्ध की स्थिति ने हमारी विकास यात्रा के लिए

## यह विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच है

उन्होंने कहा, आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद हमारे समाज के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। मोदी ने कहा, प्रौद्योगिकी विभाजन और प्रौद्योगिकी से जुड़ी नयी आर्थिक व सामाजिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं। पिछली शताब्दी में स्थापित वैश्विक शासन और वित्तीय संस्थान वर्तमान शताब्दी की चुनौतियों का सामना करने में असमर्थ हैं। मोदी ने कहा कि वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करने का एक मंच बन गया है।

चुनौतियां पैदा कर दी है। उन्होंने कहा, हम न केवल जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना

## ग्लोबल साउथ सम्मेलन

## भारत ने विकासोन्मुखी दृष्टिकोण से जी20 को आगे बढ़ाया है

उन्होंने कहा कि जी20 के भारत के नेतृत्व में हमने ग्लोबल साउथ की अपेक्षाओं, आकांक्षाओं व प्राथमिकताओं के आधार पर एजेंडा बनाया। मोदी ने कहा कि भारत ने विकासोन्मुखी दृष्टिकोण से जी20 को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा, ग्लोबल साउथ की ताकत उसकी एकता में है। इसी एकता के बल पर हम नयी दिशा की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ सम्मेलन एक ऐसा मंच है, जहां हम उन लोगों की जरूरतों, आकांक्षाओं को आवाज देते हैं, जिन्हें अभी तक अनुसूना किया गया है।

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद की चुनौतियों का भी जिक्र किया।

## अफ्रीका में 'एमपाॅक्स' के प्रकोप को नजरअंदाज किया गया

## अगली वैश्विक महामारी बन सकता है एमपाॅक्स

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

अफ्रीका में 'एमपाॅक्स' का प्रकोप इस तथ्य का एक और उदाहरण है कि कैसे संक्रामक रोगों को किसी दूसरे की समस्या समझा जाता है। विशेष तौर पर गरीबों व विकासशील देशों को प्रभावित करने वाली यह बीमारी अज्ञानक विश्व के लिए अप्रत्याशित रूप से नया खतरा बन सकती है। नजरअंदाज की गई अन्य बीमारियों के उदाहरण वेस्ट नाइल, जीका और चिकनगुनिया वायरस हैं। 'एमपाॅक्स' का पता 1958 (बंधक बनाये गये बंदरों में, इसलिए मूल रूप से इसका नाम 'मंकीपाॅक्स' रखा गया) में चला था और इंसानों में इसके सबसे पहले मामले की पहचान 1970 में हुई थी। इसके बाद दशकों तक वैज्ञानिकों और जन स्वास्थ्य समुदायों ने इस संक्रामक रोग को नजरअंदाज किया क्योंकि यह अफ्रीका के ज्यादातर दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में फैलने वाला एक अज्ञानमय संक्रमण था, जिसका बाकी दुनिया में कोई नामोनिशान नहीं था।

जब 'एमपाॅक्स' ने 2022 में विकसित देशों को प्रभावित करना शुरू किया तब जाकर शोधकर्ताओं ने शोध शुरू किये और वैज्ञानिक अध्ययनों की संख्या में इजाफा हुआ। अप्रैल 2022 के बाद से केमल एक 'मेडिकल सर्च इंजन' पर ही पिछले 60 वर्षों की अपेक्षा अधिक शोध किए गए हैं। अफ्रीकी शोधकर्ताओं ने 'एमपाॅक्स' के निदान, उसके उपचार और संक्रमण को रोकने वाले उपकरणों में वैश्विक निवेश को बढ़ाने की जरूरत को लेकर बार-बार आह्वान किया, जिसके बाद अक्टूबर 2022-23 में 'एमपाॅक्स' एक वैश्विक प्रकोप के रूप में सामने आया।

## आपात कालीन स्थिति घोषित कर दिया : विश्व स्वास्थ्य संगठन



## ज्यादातर व्यक्तियों को करता है प्रभावित

वायरस के नये प्रकार के मामलों में मृत्यु दर 2022 के वैश्विक प्रकोप की तुलना में अधिक है। इस प्रकोप के कारण कई एशियाई देशों में 'एमपाॅक्स' के मामले सामने आए हैं, जिनमें कुछ (जैसे केन्या) ऐसे देश भी शामिल हैं, जहां इस वायरस का पिछला कोई रिकॉर्ड नहीं है। चुनौती बहुत बड़ी है। पूर्वी डीआरसी क्षेत्र कई समस्याओं से घिरा हुआ क्षेत्र है, जहां प्रकृतिक आपदा और हिंसा के अलावा खसरा, हैजा और पोलियो जैसे रोग फैले हुए हैं।

## तथा करने की जरूरत

'द लासेट ग्लोबल हेल्थ' में हमारे एक हालिया लेख में बताया गया कि इस प्रकोप को रोकने और इसे संभवतः महामारी में बदलने से रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए। नैदानिक जांच, टीकों और एंटीवायरल उपचारों तक पहुंच के लिए राजनीतिक प्रतिबद्धता और वित्तीय निवेश की आवश्यकता है। इसके संपर्क में आने वाले लोगों, संवर्णण मार्गों और नैदानिक जांच के बारे में अधिक जानकारी जुटाने के लिए वैज्ञानिक जांच की आवश्यकता है।

(डब्ल्यूएचओ) ने मध्य अफ्रीका में 'एमपाॅक्स' के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नया स्वास्थ्य आपात स्थिति के रूप में घोषित कर दिया है। यह उन बीमारियों के लिए उच्चतम चेतावनी स्तर है, जो

## मंकीपाॅक्स सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित, केंद्र सरकार हुई सतर्क

नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा मंकीपाॅक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचआईसीसी) घोषित करने के मद्देनजर, केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय सतर्क हो गया है। शनिवार को मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वास्थ्य मंत्री जेपी नट्टा ने मंकीपाॅक्स की स्थिति और तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। फिलहाल भारत में मंकीपाॅक्स का कोई मामला सामने नहीं आया है। मंत्रालय के मुताबिक

अन्य देशों के लिए जन स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न करती हैं और इनके लिए अर्न्तगत अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है। हैरानी की वजह बना 2022 का प्रकोप इस बीमारी को 'एमपाॅक्स' के रूप में नया

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सभी हवाई अड्डों, बंदरगाहों और ग्राउंड क्रॉसिंग पर स्वास्थ्य इकाइयों पर अत्याधिक सावधानी बरती जानी चाहिए। इन स्थानों को अधिक संवेदनशील बनाने के साथ परीक्षण प्रयोगशालाओं (लेब) को तैयार करना, किसी भी मामले का पता लगाने, अलग करने और उसका प्रबंधन करने आदि के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को तैयार करने पर जोर देना चाहिए।

नाम अब भी 'मंकीपाॅक्स' ही है। इसका 'स्मॉलपाॅक्स वायरस' से करीबी संबंध है। एमपीएक्सवी को मध्य और पश्चिमी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में फैली बीमारी के रूप में जाना जाता था।

## मेरठ में रानी अवंती बाई की शोभा यात्रा पर पथराव

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ शहर के संवेदनशील क्षेत्र खैरनगर में शुक्रवार रात निकाली जा रही अवंतीबाई लोधी शोभायात्रा पर कथित पथराव के बाद सांप्रदायिक तनाव की स्थिति पैदा हो गई। हालांकि, पुलिस ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। शोभायात्रा पर हमले की सूचना पर भाजपा नेता कमल दत्त शर्मा समेत कई लोग बुढ़ाना गेट चौकी पर जमा हो गए। पुलिस अधीक्षक (नगर) आतुप विक्रम सिंह ने शनिवार सुबह घटना के बारे में बताया कि दो पक्षों में डीजे को लेकर विवाद हुआ था, जिसे शांत करा दिया गया है।

## साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे डिरेल

हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, आईबी करेगी जांच

एजेंसी। लखनऊ

कानपुर और भीमसेन रेलवे स्टेशन के बीच शनिवार सुबह करीब हाई स्पीड ट्रेन के लिए अग्रिम आदेश जारी साबरमती एक्सप्रेस के 20 डिब्बे पटरी से उतर गये। गनीमत रही कि इस हादसे में जान-माल का नुकसान नहीं हुआ। घटना की सूचना पर मौके पर रेलवे, पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारी पहुंचे। साथ ही राहत-बचाव टीम भी घटनास्थल पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन किया।



सभी यात्रियों को घटनास्थल से निकाल लिया गया है। इसके बाद उनको बस से वापस कानपुर सेंट्रल स्टेशन भेजा जा रहा है। एक मंमोटा भी यहां आ रही है। इस हादसे की वजह से कानपुर-झांसी मार्ग पर ट्रेन परिचालन बाधित हुआ है। इस बात की जानकारी उत्तर-मध्य रेलवे

## मेघालय में कांग्रेस ने दो विधायकों को निलंबित किया

शिलांग। मेघालय में विपक्षी दल कांग्रेस ने अपने दो विधायकों-गैब्रियल वहलंग और चार्ल्स मानंगर को सतारुद एमडीए के साथ मेलजोल बढ़ाने के आरोप लगाने के बाद निलंबित कर दिया। राज्य की 60 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के चार विधायक थे। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के महासचिव वानसुक सिमप ने एक विज्ञापन में कहा कि विधायकों को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निलंबित किया गया है। दोनों विधायकों को भेजे गए पत्र में सिमप ने कहा, पार्टी का यह निर्णय ब्लॉक समिति और प्रमुख संगठन की हालिया रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है, जिसमें आपके पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है।

## उग्र में शिक्षक भर्ती का मामला, नेता प्रतिपक्ष ने कहा- आरक्षण व्यवस्था से खिलवाड़ पर करारा जवाब : राहुल गांधी

लगातार न्यूज नेटवर्क। लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश में 69 हजार शिक्षकों की भर्ती की मेरिट लिस्ट को रद्द करने का आदेश देने के बाद देशभर में राजनीति गरमा चुकी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने राज्य की योगी सरकार पर सवाल उठाया है। राहुल ने कहा कि 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला आरक्षण व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वाली भाजपा सरकार की साजिशों को करारा जवाब है। उन्होंने कहा कि यह पांच वर्षों से सड़कों पर निरंतर संघर्ष कर रहे अमित मोर्चा जैसे हजारों युवाओं की ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले हर योद्धा की जीत है।

## हरियाणा में 24 घंटे में चार विधायकों ने छोड़ी पार्टी

हरियाणा। हरियाणा में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है। चुनाव के ऐलान के साथ ही जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) में भागद्वं मचो हुई है। जेजेपी से पिछले 24 घंटे में 4 विधायकों ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इसमें ईश्वर सिंह, देवेन्द्र बबली, अनूप धानक और राम करण कला का नाम शामिल है। बता दें कि हरियाणा के टोहाना से जेजेपी विधायक और पूर्व मंत्री देवेन्द्र बबली ने शनिवार को पार्टी के तमाम पदों से इस्तीफा दिया है, उन्होंने पार्टी अध्यक्ष अजय चोपला को एक पत्र के जरिए अपना इस्तीफा सौंप दिया है। इससे पहले पार्टी के एक और विधायक और पूर्व मंत्री अनूप धानक और रामकरण काला ने भी पार्टी छोड़ दी है। इसके अलावा विधायक ईश्वर सिंह ने भी पार्टी की सभी दायित्वों से इस्तीफा दे दिया है।



ने आरोप लगाया कि आरक्षण छीनने की भाजपा की जिद ने सैकड़ों निर्दोष अर्थवर्धियों का भविष्य अंधकार में धकेल दिया है। पांच साल ठोकरें खा कर बर्बाद होने के बाद जिनको नई सूची के जरिए नौकरगी मिलेगी और जिनका नाम अब चर्चनित सूची से कट सकता है, दोनों की गुनहगार सिर्फ भाजपा है। पढ़ाई करने वालों को लड़ाई करने पर मजबूर करने वाली भाजपा सरकार सही मायने में युवाओं की दुश्मन है।

## इलाहाबाद हाईकोर्ट ने क्या आदेश दिये हैं

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने उत्तर प्रदेश में सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा के तहत 69 हजार सहायक शिक्षकों की नियुक्ति के लिए जून 2020 में जारी चयन सूची और 6800 अभ्यर्थियों की पांच जनवरी 2022 की चयन सूची को दरकिनार कर नए सिरे से सूची बनाने के आदेश दिए हैं। दो जनों की पीठ ने एकल पीठ के आदेश को रद्द करते हुए नए सिरे से मेरिट लिस्ट जारी करने का आदेश दिया है। इसके साथ ही सरकार को आरक्षण नियमावली 1994 की धारा 3(6) और बैरिस्ट शिक्षा नियमावली 1981 का पालन करने का आदेश दिया है।

## दिल्ली कोचिंग सेंटर मौत का मामला अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रखा

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने यहां के एक कोचिंग सेंटर में मौत के मामले में बेसमेट के चार सह-मालिकों की जमानत याचिकाओं पर 23 अगस्त को अपना फैसला सुना सकती है। पिछले महीने कोचिंग सेंटर के बेसमेट में जलभराव के कारण सिविल सेवा की तैयारी कर रहे तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई थी। प्रधान जिला एच सत्र न्यायाधीश अंजु बजाज चांदना ने शनिवार को सीबीआई तथा आरोपियों परविंदर सिंह, तजेंदर सिंह, हरविंदर सिंह और सरबजीत सिंह के दलीलों सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। दलीलों के दौरान, आरोपियों के वकील ने अदालत को बताया कि

## 25 साल बाद गाजा में पोलियो का पहला मामला आया सामने

## यूनिसेफ ने युद्ध रोक टीकाकरण की मांग की

एजेंसी। रामल्ला

पोलियो मुक्त गाजा में 25 साल बाद पोलियो का पहला मामला सामने आया है। युद्ध प्रभावित देश के दीर्घ अल-बलाह शहर में एक 10 माह के बच्चे में पोलियो संक्रमण की पुष्टि हुई है। फलस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 10 माह के बच्चे में पोलियो के लक्षण पाये गये थे। इसके बाद उसकी जांच करायी गयी, जिसमें संक्रमण की पुष्टि हुई। इस बच्चे को पोलियो रोधी टीके की एक भी खुराक

## 25 साल से गाजा था पोलियो मुक्त

नहीं लगी थी। अधिकारियों ने बताया कि पिछले महीने गाजा के दो प्रमुख शहरों के अपशिष्ट जल से नमूने एकत्र किये गये थे इन नमूनों की जांच करने पर इसमें पोलियो का वायरस पाया गया था। जॉर्डन की राजधानी अममान में एक 10 माह के बच्चे में पोलियो के लक्षण पाये गये। जांच करने पर टाइप 2 पोलियो वायरस की पुष्टि हुई।

फलस्तीनी बच्चों का टीकाकरण करने का किया आह्वान : संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख एंटीगो गुटेर्रेस ने इजरायल-हमास युद्ध रोककर लाखों बच्चों को टीका लगाने का आह्वान किया है। संयुक्त राष्ट्र बाल एजेंसी (यूनिसेफ) ने भी इजराइल और हमास से सात दिन के लिए युद्ध रोकने की मांग की है। ताकि 6,40,000 फलस्तीनी बच्चों को पोलियो से बचाव का टीका दिया जा सके। हालांकि इस पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

## लगा झटका तहव्वुर राणा का भारत आने का रास्ता साफ, अदालत ने सुनाया फैसला

## तहव्वुर राणा को भारत को सौंपा जा सकता : अमेरिकी अदालत

एजेंसी। वाशिंगटन

मुंबई आतंकवादी हमलों में संलिप्तता के आरोपी और पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा को 'यूसफ कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइथ सर्किट' से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने तहव्वुर राणा को भारत अमेरिका प्रत्यर्पण संधि राणा के प्रत्यर्पण की अनुमति देती है। बता दें कि तहव्वुर राणा अमेरिका की जेल में बंद है। उस पर मुंबई हमलों में संलिप्तता का आरोप है। साथ ही उसे पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली का साथी



माना जाता है, जो 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक है। इन

## आदेश के खिलाफ राणा ने दायर की थी याचिका

दरअसल तहव्वुर राणा ने कैलिफोर्निया में अमेरिकी 'डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' के आदेश के खिलाफ 'यूसफ कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइथ सर्किट' में याचिका दायर की थी। कैलिफोर्निया की अदालत ने उसकी बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को अस्वीकार कर दिया था। राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में मुंबई में आतंकवादी हमलों में राणा की संलिप्तता के लिए उसे भारत प्रत्यर्पित किये जाने के मजिस्ट्रेट न्यायाधीश के आदेश को चुनौती दी गयी थी। 'यूसफ कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर नाइथ सर्किट' के न्यायाधीशों के फैसले ने 'डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' के फैसले की पुष्टि की। प्रत्यर्ण आदेश की बंदी

प्रत्यक्षीकरण समीक्षा के सीमित दायरे के तहत, फैसले ने माना कि राणा पर लगाये गये आरोप अमेरिका और भारत के बीच प्रत्यर्ण संधि की शर्तों के अंतर्गत आते हैं। इस संधि में प्रत्यर्ण के लिए 'नों बिस इन आइडेम' (किसी व्यक्ति को एक अपराध के लिए दो बार दंडित नहीं किये जाने का सिद्धांत) अपवाद शामिल है। जिस देश से प्रत्यर्ण का अनुरोध किया गया हो, यदि 'वांछित व्यक्ति को उस देश में उन अपराधों के लिए दोषी ठहराया गया हो या दोषमुक्त कर दिया गया हो, जिनके लिए प्रत्यर्ण का अनुरोध किया गया है', तो ऐसी स्थिति में यह अपवाद लागू होता है।

## बिल गेट्स ने सिएटल में भारत दिवस समारोह की शुरुआत की

एजेंसी। सिएटल/न्यूयॉर्क

प्रौद्योगिकी कंपनी 'माइक्रोसॉफ्ट' के सह-संस्थापक और अरबपति परोपकारी बिल गेट्स ने सिएटल क्षेत्र में पहले भारत दिवस समारोह को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि सुरक्षित टीकों के निर्माण से लेकर डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तक हर क्षेत्र में भारत की कुशलता न केवल भारतीयों, बल्कि पूरे विश्व को मदद कर रही है। गेट्स फाउंडेशन के अध्यक्ष गेट्स ने भारत के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सिएटल स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास के मुख्य अतिथि के रूप में ट्रेन सिएटल क्षेत्र में प्रथम भारत दिवस समारोह का उद्घाटन किया। सिएटल वाणिज्य दूतावास द्वारा शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञापन में



कहा गया कि गेट्स ने समारोह में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के 2,000 से अधिक सदस्यों को संबोधित करते हुए भारत को प्रौद्योगिकी, कृषि और स्वास्थ्य सेवा जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व नवोन्मेष करने वाला एक वैश्विक नेता बताया।